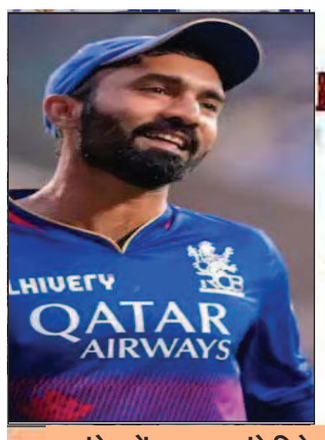

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

द हंड्रेड में नजर आएंगे दिनेश कार्तिक, लंदन स्पिरिट ने दी बड़ी -पेज: 7

प्रियंका चोपड़ा ने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ की -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 242 | गुरुवार 11 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

इंडिगो संकट पर सरकार को हाईकोर्ट की कड़ी फटकार! एयरलाइन को दिया ये आदेश

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों के रद्द होने और देरी से उत्पन्न अराजकता को रोकने में केंद्र सरकार की विफलता पर सवाल उठाया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने टिप्पणी की कि हवाई यात्रा की स्थिति बिगड़ने के बाद ही सरकार ने हस्तक्षेप किया। न्यायपीठ ने पूछा कि क्या दोषी एयरलाइनों के खिलाफ कार्रवाई करने में केंद्र सरकार असहाय थी? अदालत ने पूछा कि आपने स्थिति को बिगड़ने दिया और उसके बाद ही कार्रवाई की। आपने यह सब क्यों होने दिया? आज पारित आदेश में न्यायालय ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा हम नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हैं। हालांकि, हमें इस बात से बेहद चिंता है कि ऐसी स्थिति को उत्पन्न होने कैसे दिया गया

यूनेस्को ने दीपावली को अमूर्त धरोहर किया घोषित, पीएम मोदी ने दीं बधाई

नई दिल्ली एजेंसी: भारत के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। रोशनी के त्योहार दीपावली को लेकर एक ऐसी जानकारी सामने आई है, जो पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। यूनेस्को ने दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई देते हुए सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा कि यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर लिस्ट में शामिल करने से इस त्योहार की दुनिया भर में लोकप्रियता और बढ़ेगी। यूनेस्को की ओर से भारत को बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमूर्त धरोहर की लिस्ट में नया नाम: दीपावली, भारत। बधाई हो! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत और दुनिया भर के लोग बहुत खुश हैं। हमारे लिए, दीपावली हमारी संस्कृति और रीति-रिवाजों से बहुत करीब से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह रोशनी और नेकी का प्रतीक है। दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर लिस्ट में शामिल करने से इस त्योहार की दुनिया भर में लोकप्रियता और बढ़ेगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहें। विदेश मंत्रालय की तरफ से प्रतिक्रिया भी सामने आई है। मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, यह एक खुशी का पल है, क्योंकि रोशनी का त्योहार दीपावली, जो बुराई पर अच्छाई की जीत और भगवान राम के अपने राज्य अयोध्या लौटने का प्रतीक है, जिसे दुनिया भर में मनाया जाता है, उसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की लिस्ट में जोड़ा गया है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में दीपावली का नाम शामिल होने के बारे में जानकर खुशी हुई। यह त्योहार के बहुत ज्यादा सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और लोगों को एक साथ लाने में इस-ाकी भूमिका को पहचान देता है। इससे ठीक एक दिन पहले दिल्ली के संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा था, 10 दिसंबर को दिल्ली सरकार पूरी कैबिनेट के साथ दिल्ली हाट पर दीपावली मनाएगी। सभी सरकारी बिल्डिंग सजाई जाएंगी, लाल किले पर दीये जलाए जाएंगे और शहर के सभी चौक-चौराहों पर दीपावली की मार्केट लगेगी। ये सब तब होगा जब यूनेस्को दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में मान्यता देगी। जैसे ही मान्यता मिल जाएगी, दिल्ली जगमग होगी, मेले लगेंगे, आतिशबाजी होगी और लाल किला रोशनी में नहा उठेगा कोलकाता की दुर्गा पूजा भी यूनेस्को की इस लिस्ट में शामिल है। भारत सरकार छठ महापर्व को भी यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की लिस्ट में शामिल करने के लिए काम कर रही है।

छठ पर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर....

भारत सरकार छठ महापर्व को भी यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की लिस्ट में शामिल करने के लिए काम कर रही है। पीएम मोदी ने मन की बात के 126वें एपिसोड में इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल कराने के लिए काम कर रही है।

घुसपैठियों के खिलाफ योगी सरकार ने शुरू की सर्जिकल स्ट्राइक, गांवों-शहरों-गलियों में धरपकड़ हुई तेज

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए घुसपैठियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने जा रही है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत घुसपैठियों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। सरकार के इस कदम से जहां प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा और सुदृढ़ होगी, वहीं दूसरी ओर प्रदेशवासियों को सरकारी योजनाओं का लाभ और पारदर्शी तरीके से मिलेगा। इस निर्णय से पात्र व्यक्ति ही योजनाओं का लाभ उठा सकेगा। बयान के मुताबिक उप्र सरकार घुसपैठियों की पहचान कर उन्हे निरुद्ध केंद्र में रखेगी, इन केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था अभेद होगी, जिसे भेद पाना किसी के लिए भी नामुमकिन होगा। सरकार के सख्त कदम से प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था पर एक सकारात्मक असर पड़ेगा। यह कदम अपराधियों और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण को आसान बनाएगा। प्रदेश में अपराधों की संख्या कम होगी और इसके साथ ही लोगों का विश्वास भी सरकार की कार्यप्रणाली पर बढ़ेगा। बयान के अनुसार प्रदेश में घुसपैठियों की वजह से सरकारी योजनाओं का लाभ अपात्र लोग भी उठे रहे हैं। ऐसे में इनकी पहचान होने से सरकारी योजनाओं का लाभ असली हकदारों तक पहुंचेगा। इससे पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से अपील की थी कि वे सतर्क रहें और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने से पहले उस-ाकी पहचान अवश्य सत्यापित करें। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की स-ुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में उच्चतम न्यायालय की हालिया टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा, उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाया जा सकता। इससे स्पष्ट है कि घुसपैठिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं।

मोहन भागवत से पूछा गया- मोदी का उत्तराधिकारी कौन होगा? संघ प्रमुख ने हाथ के हाथ दे दिया जवाब

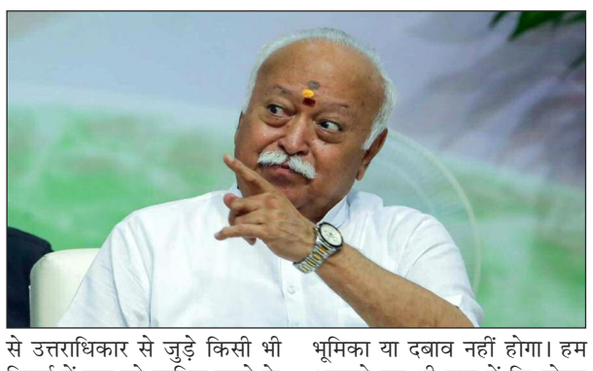

नई दिल्ली एजेंसी: चेन्नई में मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक ऐसा बयान दिया, जिसे भारतीय राजनीति विशेषकर भाजपा के भीतर चल रही संभावित उत्तराधिकार चर्चा के संदर्भ में बेहद अहम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि जब मोहन भागवत से पूछा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद देश की बागडोर किसके हाथों में जाएगी, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस विषय पर निर्णय पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी और मोदी लेंगे। हम आपको बता दें कि भागवत का यह संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण जवाब इस दिशा में एक संकेत माना जा रहा है कि संघ, कम से कम सार्वजनिक रूप से उत्तराधिकार से जुड़े किसी भी विमर्श में खुद को शामिल करने के मूड में नहीं है। हम आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से राजनीतिक गलियारों में मोदी के बाद संभावित नेतृत्व को लेकर अनेक अटकलें थीं, लेकिन भागवत के इस बयान ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि इस विषय पर आरएसएस की कोई भूमिका या दबाव नहीं होगा। हम आपको यह भी बता दें कि मोहन भागवत ने अपने संबोधन में सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए जाति और भाषा पर आधारित विभाजनों को खत्म करना अनिवार्य है। मोहन भागवत ने कहा, हमें आरएसएस को 1,00,000 से अधिक स्थानों तक ले जाना है। हमें जाति और भाषाई विभाजन हटाकर एकता पर आधारित समाज बनाना होगा। उल्लेखनीय है कि संघ प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है जब देशभर में संघ की गतिविधियों का विस्तार और उसकी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लक्ष्य को लेकर संगठन खासा सक्रिय है।

शताब्दी वर्ष समारोह भी इसी व्यापक अभियान का हिस्सा हैं। देखा जाये तो मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में मोहन भागवत का बयान राजनीतिक रूप से संयमित और रणनीतिक है। एक ओर उन्होंने उत्त-राधिकार के प्रश्न से खुद को दूर रखकर यह संदेश दिया है कि भाजपा नेतृत्व अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र है।

पूर्व सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले वकील को भरी अदालत चप्पल से किसने पीटा?

नई दिल्ली एजेंसी: शाहदरा जिले में स्थित कड़कड़डूमा कोर्ट के अंदर एक वकील के साथ हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो में वकील राकेश किशोर के साथ हाथापाई की जा रहा है, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पूर्व सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंका था। राकेश मंगलवार को किसी काम के चलते कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में गए थे। इसी दौरान किसी ने उनके साथ हाथापाई की। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया अभी तक इसको लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर पीड़ित शिकायत करते है तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि वायरल वीडियो में राकेश के साथ कोई हाथापाई कर रहा है। राकेश पीटने वाले शख्स से सवाल करते दिख रहे हैं कौन है, मुझे क्यों मार रहा है। इस-ाके बाद राकेश नारा लगाते दिख रहे हैं, "सनातन धर्म की जय हो। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर पुलिस में किसी तरह की शिकायत नहीं दी गई है। वहीं दूसरी तरफ यह भी साफ नहीं हो पाया है कि ये हमला राकेश किशोर पर क्यों और किसने किया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई ने राकेश किशोर का वकालती लाइसेंस तुरंत सस्पेंड कर दिया। बीसीआई ने यह भी कहा कि राकेश के खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन यानी एससीबीए ने भी राकेश किशोर की मेंबरशिप टर्मिनेट यानी खत्म कर दी। घटना को लेकर राकेश किशोर के खिलाफ क्रिमिनल कंटेंप्ट प्रोसीडिंग्स यानी आपराधिक अवमानना का केस भी दायर करने की इच्छा जताई गई जिसके लिए अटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया ने इजाजत दे दी। मगर बाद में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने यह संकेत दिया कि वो शायद अवमानना की कारवाई आगे नहीं बढ़ाने वाले।

प्रधानमंत्री आधा समय विदेश में बिताते हैं, फिर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल क्यों: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राहुल गांधी के प्रस्तावित जर्मनी दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा सवाल खड़े किए जाने के बाद बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आधा कामकाजी समय विदेश में बिताते हैं तो फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे, जहां वह भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के साथ ही जर्मन सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। भाजपा द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राहुल गांधी की इस यात्रा पर सवाल खड़े करने पर प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, मोदी जी अपना लगभग आधा कामकाजी समय देश से बाहर बिताते हैं तो वे (भाजपा) नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठा रहे हैं?" यह भी पढ़ें: देश में फिर दोहराया निर्भया जैसा कांड: 6 साल की मासूम के साथ हैवानियत के बाद प्राइवेट पार्ट में डाल दी रॉड इससे पहले, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स' पर पोस्ट किया, एक बार फिर विदेश नायक वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं। विदेश दौरे पर जा रहे हैं। संसद 19 दिसंबर तक चलेगी, लेकिन खबरों के मुताबिक राहुल गांधी 15-20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे।" उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने एलओपी' यानी लीडर ऑफ पर्यटन' हैं।

शायना एनसी का तंज, सीरियल ड्रामा करते हैं राहुल गांधी, हारने के बाद फैला रहे झूठी बातें

नई दिल्ली एजेंसी: शिवसेना नेता शायना एनसी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से चुनाव हारने के बाद झूठे बयानबाजी बंद करने और इसके बजाय संसद में वंदे मातरम की जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष चचाओं में भाग लेने का आह्वान किया। गांधी पर कटाक्ष करते हुए, शिवसेना नेता ने उन्हें सीरियल ड्रामा आर्टिस्ट कहा और चुनाव के हर पहलू पर बार-बार सवाल उठाने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक सीरियल ड्रामा आर्टिस्ट हैं, कभी सीईसी चयन समिति पर सवाल उठाते हैं, कभी चुनाव आयोग पर, कभी ईवीएम पर, कभी मतदाताओं पर, कभी सीसीटीवी पर, कभी एस-ाआईआर पर। उन्हें संसद में वंदे मातरम पर चर्चा में शामिल होने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि मैं आपसे यह पूछना चाहती हूं कि आप हर चुनाव हारने पर और इस तरह के झूठे दावे फैलाने पर, वंदे मातरम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर होने वाली बहसों में भी भाग लें। इससे पहले सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रगान वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर हुई चर्चा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में बंकिम चंद्र चटर्जी की रचना की भूमिका पर प्रकाश डाला, जहां भाजपा और विपक्षी सदस्यों ने एक-दूसरे पर कटाक्ष भी किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहस की शुरूआत करते हुए कहा कि वंदे मातरम ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को ऊर्जा प्रदान की।

उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हम वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के स-ाक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम वह शक्ति है जो हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा देखे गए सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करती है। वंदे मातरम ने भारत में हजारों वर्षों से गहराई से निहित एक विचार को पुनर्जीवित किया है।

राहुल गांधी ने बीच में टोका, भड़क गए अमित शाह, बोले- संसद आपकी मर्जी के मुताबिक नहीं चलेगी

नई दिल्ली एजेंसी: बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही में उस समय और भी नाटकीय मोड़ आ गया जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को बीच में रोककर कथित वोट चोरी के मुद्दे पर उनसे बहस करने की चुनौती दी। अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच तीखी बहस हुई। यह झड़प तब हुई जब लोकसभा में चुनावी सुधारों पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि विपक्ष विशेष गहन संशोधन विधेयक (एसआईआर) को लेकर चिंतित है क्योंकि इससे उनके लिए वोट देने वाले अवैध प्र-वासियों के नाम हटा दिए जाएंगे। हालांकि, तनाव तब बढ़ गया जब गांधी ने शाह को बीच में रोककर कथित "वोट चोरी" के अपने पसंदीदा मुद्दे पर उनसे बहस करने की चुनौती दी। गांधी ने कहा कि मैं आपको मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करने की चुनौती देता हूं। शाह ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि वह (राहुल गांधी) यह तय नहीं कर सकते कि मैं क्या बोलूंगा, उन्हें धैर्य रखना सीखना होगा। मैं अपने भाषण का क्रम तय करूंगा, मैं तय करूंगा कि क्या बोलना है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री शाह के चुनावी सुधारों पर दिए जा रहे भाषण में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि चलिए मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करते हैं। अमित शाह जी, मैं आपको तीन विधानसभा सीटों पर बहस करने की चुनौती देता हूँ। गृह मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि संसद आपकी मर्जी के मुताबिक नहीं चलेगी। मैं अपने भाषण का क्रम खुद तय करूँगा। इस साल की शुरूआत में, गांधी ने तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कीं जिनमें उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के साथ मिलीभगत कर-के मतदान में धांधली की है। अपनी तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में कथित मतदान धांधली के उदाहरण दिए। गांधी के हस्तक्षेप का शाह पर कोई खास असर नहीं पड़ा और उन्होंने कांग्रेस पर अपना हमला और भी तीखा कर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि गांधी का हाइड्रोजन बम सिर्फ 'वोट चोरी का माहौल बनाने के लिए था। शाह ने दावा किया कि कुछ प-रवार पीढ़ियों से वोट चोर हैं, जो जाहिर तौर पर नेहरू-गांधी परिवार की ओर इशारा था। शाह ने कहा कि अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कोई सुधार नहीं हुआ है और उसे सुधारने की जरूरत है। तो फिर 'एस-ाआईआर' क्या है? यह मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। जब हम यह प्रक्रिया कर रहे हैं, तब भी वे इसका विरोध कर रहे हैं... आपकी हार निश्चित है; मतदाता सूची का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को कभी सत्ता-विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ता। सत्ता-विरोधी लहर केवल उन्हीं के खिलाफ होती है जो जनहित के खिलाफ काम करते हैं। यह सच है कि भाजपा को बहुत कम ही सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ा है... लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने 2014 के बाद कभी कोई चुनाव नहीं हारा है... लोकतंत्र में दोहरा मापदंड नहीं चलता। जब आप

गांधी ने कहा कि मैं आपको मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करने की चुनौती देता हूं। शाह ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि वह (राहुल गांधी) यह तय नहीं कर सकते कि मैं क्या बोलूंगा, उन्हें धैर्य रखना सीखना होगा।

संपादकीय

गोवा अग्निकांड - असली दोषी कहां हैं

गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार रात लगी आग में 25 लोग अकाल मौत मारे गए। यह हादसा गोवा की बड़ी त्रासदियों में से एक माना जा रहा है। अक्टूबर से लेकर फरवरी-मार्च तक गोवा में पर्यटकों की भीड़ होती है। खासकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह बड़ा आकर्षण का केंद्र रहा है। जम्मू-कश्मीर की तरह गोवा का मुख्य व्यवसाय भी पर्यटन ही है। लेकिन इस घटना ने गोवा में पर्यटकों की सुरक्षा पर बड़ा निशान खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त क्लब में आग लगी, करीब डेढ़ सौ लोग वहां थे। हालांकि मरने वालों में 20 लोग क्लब के कर्मचारी थे और उनके साथ पांच पर्यटकों की मौत हुई। इनमें से चार तो दिल्ली के एक ही परिवार के सदस्य थे। शनिवार रात के हादसे के बाद रविवार सुबह ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्लब का दौरा करते हुए जांच के आदेश दिए थे। साथ ही चेतावनी थी कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल ये है कि इस हादसे का दोषी किसे माना जाएगा। प्रत्यक्ष तौर पर तो क्लब के मालिकान सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ही हादसे के दोषी हैं, और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। लेकिन ये दोनों भाई तो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे ही देश छोड़कर निकल चुके थे। मतलब मुख्यमंत्री जब दोषियों को पकड़ने के आदेश दे रहे थे, जिस वक्त पुलिस मौके पर सबूत जुटा रही थी और आग बुझाने की कोशिशें चल रही थीं, उस समय तक लूथरा बंधु देश से निकल चुके थे। ये भाजपा के सख्त प्रशासन की असलियत है। हैरानी की बात ये है कि सात दिसम्बर की सुबह लूथरा बंधु भाग चुके थे और शायद पुलिस इससे बेखबर थी, क्योंकि सात तारीख की शाम को गोवा पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने लूथरा बंधुओं के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। जबकि मुंबई में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने जानकारी दी कि दोनों भाई सात दिसंबर की सुबह 5.30 बजे यानी घटना के फौरन बाद इंडिगो की सीधी फ्लाइट से थाइलैंड के फुकेत भाग चुके थे। अब गोवा पुलिस दोनों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए इंटरपोल से मदद ले रही है। लेकिन पिछले अनुभव बताते हैं कि भगोड़ों को वापस लाने में मोदी सरकार नाकाम ही रही है। विजय माल्या, नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी ये सब कहां हैं, क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इनमें से कुछ भगोड़े तो विदेश में आलीशान दावतें करते हैं और देश से कई नामी-गिरामी लोग उन दावतों में शामिल होते हैं, फिर भी इनका बाल भी बांका नहीं होता, क्योंकि धन और सत्ता का रक्षाकवच इनके पास है। अब देखना होगा कि लूथरा बंधुओं को यह कवच मिलता है या नहीं। वैसे थाइलैंड भागने की उनकी योजना बताती है कि वो कितने शातिर हैं। थाईलैंड में भारतीयों को प्रवेश करने पर वीजा मिल जाता है। ऐसे में उन्हें थाइलैंड जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई।

पहाड़ केवल जमीन नहीं, प्रकृति के शृंगार हैं

दिलीप कुमार पाठक

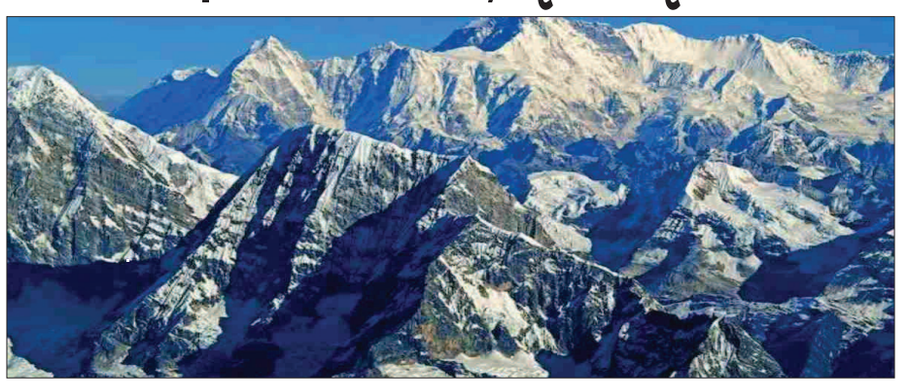

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। यूएनओ ने 2003 में पर्वतों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में घोषणा की। पर्वत न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं बल्कि यह वनस्पति, जलीय स्रोत और जैव विविधता के भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्वतों की सुरक्षा की आवश्यकता और महत्व को समझाना है, पर्वतों की स्थिति में भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ स्थित हैं। देश के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत भाग पर्वतों से आच्छादित है।

पर्वतों की सुरक्षा के लिए सतत विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन और भीषण दोहन के कारण आज पहाड़ों पर गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं, अनियंत्रित और अत्यधिक पर्यटन ने प्रदूषण, विशेष रूप से गैर-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कचरे की समस्या को गंभीर बना दिया है। पर्वतीय कस्बों में अपशिष्ट निपटान की अपर्याप्त सुविधाओं के कारण नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है। बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अति-दोहन किया जा रहा है। अरावली जैसी पर्वतमालाओं में अनियंत्रित खनन ने पर्यावरण को गंभीर रूप से घायल किया है, जिससे मरुस्थलीकरण और जल संकट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। पर्वतीय समुदायों को अक्सर गरीबी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और सीमित डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पर्वत न केवल पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बल्कि तालाबों में बसे लाखों लोगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये हैं दुनिया की प्रमुख नदियाँ और जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दिन पहाड़ों के विकास और उनसे मिलने वाले अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह लोगों को पर्यावरण में पर्वतों की भूमिका और उनके जीवन पर प्रभाव के बारे में शिक्षा देता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का इतिहास 1992 से शुरू हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के अध्याय 13 में संवेदनशील प्रशिक्षण तंत्र का प्रबंधनः सतत विकास के तहत विशिष्टता को शामिल किया गया था। यह पर्वत विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ। पहाड़ों के महत्व की ओर बढ़ते ध्यान को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष घोषित किया और 2003 से हर साल 11 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस ????का निर्णय लिया। इसलिए, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 11 दिसंबर 2003 को मनाया गया था।

पर्वतों में प्रकृति के अनमोल रत्न शामिल हैं जिनका हमें संरक्षण करना चाहिए। ये हैं दुनिया की 15% आबादी के घर और आसपास के आदिवासियों के समूह में शामिल हुए हैं। पहाड़ के किसानों को जीवन के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराते हैं, कृषि को बनाए रखते हैं और स्वच्छ ऊर्जा और औषधियों की आपूर्ति में मदद करते हैं। दुर्भाग्य से, जलवायु परिवर्तन, भारी दोहन और प्रदूषण के कारण पर्वत खतरे में हैं, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि वहां रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है। जैसे-वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, पर्वतीय तापमान बढ़ रहा है, जिससे नीचे के क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग, जो दुनिया के सबसे गरीब समुदायों में से हैं, जीवित रहने के लिए और भी बड़े-बड़े संकटों का सामना कर रहे हैं। ठेकों के कारण, कृषि, सुपरमार्केट या दुकानदारों के लिए किसानों को साफ करने से मिट्टी का कटाव और आवासों का नुकसान हो सकता है। कटाव और प्रदूषण न केवल जल प्रवाह की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि मिट्टी की वास्तुकला को भी कम करते हैं। दरअसल, पूर्वोत्तर देशों में 311 मिलियन ग्रामीण पर्वतीय लोग क्षेत्र में रहते हैं, जहां भूमि का स्थिरीकरण हो रहा है, और इनमें से 178 मिलियन लोग खाद्य सुरक्षा के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हम सभी को प्रभावित करती है। हमें अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करना चाहिए और इन प्राकृतिक खजानों की देखभाल करनी चाहिए। आज का दिन पर्वतों के जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह पर्वतीय विकास से जुड़े अवसरों और परिचय को दर्शाता है और पहाड़ी इलाकों और पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्वत हमारे पर्यावरण, जीवन और संस्कृति का हिस्सा हैं। संबंधित तथ्यों का पता लगाना केवल ज्ञान की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सुरक्षा की आवश्यकता को पूरा करना भी आवश्यक है। पर्वत प्रकृति की अनमोल देन हैं, इन्हें संरक्षित रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम पर चर्चाः सवाल नीति और नीयत का

निर्मल रानी

भारतीय संसद में शीतकालीन सत्र 2025 के दौरान 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक विशेष चर्चा आयोजित की गयी। गौर तलब है कि संस्कृत और बांग्ला भाषा के मिश्रण से तैयार किया गया यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित उनकी बांग्ला उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ था। 24 जनवरी 1950 को भारत की संविधान सभा ने इसी गीत अर्थात ₹वन्दे मातरम₹ को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया। आज देश में इस गीत को भी राष्ट्रगान अर्थात ₹जन गण मन₹ के ही समकक्ष सम्मान प्राप्त है। सभी सरकारी और आधिकारिक कार्यक्रमों में जब इसे गाया या बजाया जाता है, तो सभी लोग इसके सम्मान में खड़े होते हैं। परन्तु हमारे देश में मुस्लिम उलेमा का एक वर्ग ऐसा है जिनका मानना है कि धरती-माँ को इस तरह देवी के रूप में पूजना और उसके सामने सजदा करना इस्लाम विरोधी (शिर्क) है। और अल्लाह के सिवा किसी को सजदा करना हराम है। इस विचारधारा का प्रतिनिधित्व खासतौर पर देवबंदी अथवा जमाअत-ए-इस्लामी से सम्बंधित अतिवादी वर्ग के लोग ही करते हैं। जबकि अधिकांश मुस्लिम राष्ट्रप्रेम का हिस्सा मानते हुये इसे गाते भी हैं। परन्तु राष्ट्रगान 'जन गण मन' का विरोध करने वाले हिंदूवादी विचारधारा से जुड़े लोग खासकर संघ व भाजपा वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस पार्टी पर मुस्लिम परस्त होने का इलजाम लगाती रहती है। यही कोशिश गत दिनों संसद में ₹वंदे मातरम₹ पर चर्चा के दौरान देखने को भी मिली। खासकर इस चर्चा का ऐसे समय में होना जबकि अगले वर्ष बंगाल में चुनाव भी प्रस्तावित हैं, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों की तरफ इशारा करता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर बहस के दौरान सरकार पर तीखा प्रहार करते हुये यह कहा भी कि राष्ट्रगान पर बहस की कोई जरूरत नहीं क्योंकि यह पहले से ही राष्ट्रगान है। प्रियंका गांधी ने भी यही दावा किया कि यह चर्चा बंगाल चुनावों को ध्यान में रखकर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने 'वंदे मातरम' को भारत की आत्मा का हिस्सा बताया, जो गुलामी से जागरण का प्रतीक है और आधुनिक राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति है। उल्टे प्रियंका गांधी ने संविधान सभा में दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का ही सवाल उठा कर भाजपा को ही घेरने की कोशिश की। राजयसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सत्ता से सवाल किया कि जब भाजपा के पुरखे श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मुस्लिम लीग के साथ बंगाल में सरकार चला रहे थे, तब आपकी देशभक्ति कहां थी? बहरहाल, इसी तरह के मुद्दों को उठाकर कांग्रेस को मुस्लिम परस्त बताने व हमेशा ही कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाने वाली भाजपा को कम से कम देश को एक बात यह भी बतानी चाहिये कि जिस दारुल उलूम देवबंद व जमाअत-ए-इस्लामी ने वंदे मातरम का विरोध किया था, जिस जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने 1937-39 में जारी अपने फतवे में वंदे मातरम को गाना 'हराम' बताया था। उसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से तो भारत बेहतर रिश्ते बनाने की तरफ आगे बढ़ रहा है? गत अक्टूबर माह में ही अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी ने भारत का छह-दिवसीय दौरा किया। इस दौरे के दौरान मुत्तकी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार, मानवीय सहायता, शिक्षा और आर्थिक सहयोग पर चर्चा हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति से संभव यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान संबंधों को मजबूत करने का संकेत मानी गई। मुत्तकी ने अपने भारत प्रवास के दौरान केवल राजकीय यात्रा मात्र ही नहीं की बल्कि इस दौरान उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित दारुल उलूम देवबंद अर्थात अपने 'वैचारिक प्रेरणा केंद्र' का भी दौरा किया। यह वही दारुल उलूम देवबंद तो है जिसने वंदे मातरम के एक हिस्से को गाने का विरोध किया था? मुत्तकी ने अपने भारत दौरे के बीच दारुल उलूम देवबंद पहुंचकर व देवबंदी मसलक से जुड़े दारुल उलूम के उलेमा, छात्रों और अफगान छात्रों से मिकर केवल अपनी अतिवादी वैचारिक प्रतिबद्धता ही नहीं दोहराई बल्कि उन्होंने दिल्ली में ही आयोजित अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को प्रवेश न देकर भी यह साबित कर दिया कि महिलाओं के प्रति इस सोच विचार के लोग कितनी असहिष्णुता का भाव रखते हैं। परन्तु आश्चर्य है कि भाजपा सरकार वंदे मातरम गायन का विरोध करने व इसे हराम बताने वाली विचारधारा व इसके रहनुमाओं को तो गले से लगाती है। इनके स्वागत में लाल कालीन बिछाती है परन्तु कांग्रेस पर वंदे मातरम विरोधी होने का आरोप मढ़ती है? परन्तु जब कांग्रेस संविधान सभा में इस गीत के दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का सवाल उठाती है तो भाजपा बगलें झाँकने लगती है? आज देश बेरोजगारी व मंहगाई से बुरी तरह जूझ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत रसातल तक पहुँच गयी है। 2012-13 के मध्य जब डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत 60-68 के बीच लुढ़क रही थी। उस समय नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा था कि ₹हमारी मुद्रा मृत्युशैया पर है, यह टर्मिनल स्टेज पर है और इसे तुरंत डॉक्टर की जरूरत है₹। उसी समय मोदी ने जोर देकर यह भी कहा था कि रुपये की गिरावट से प्रधानमंत्री की इज्जत गिरती है, क्योंकि रुपया केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। उस समय मोदी ने इसे तत्कालीन यू पी ए सरकार की आर्थिक नाकामी करार दिया था। परन्तु आज तो 1 डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 90 के करीब पहुँच चुकी है। आज देश की संसद में इसपर चर्चा क्यों नहीं होती? दरअसल मोदी सरकार ने अपनी पूरी ताकत देश का साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करने में झोंक रखी है। खासकर चुनावों के समय ऐसी कोशिशों में और भी तेजी आ जाती है। बड़ा आश्चर्य है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्रगान तक का विरोध करने वाले, गांधी की हत्या पर जश्न मनाने व मिठाइयां बांटने वाले, भारतीय संविधान को न पचा पाने वाले लोग आज सत्ता में आने के बाद बड़े ही शातिर तरीके से स्वयं को महान देशभक्त व धर्म के 'अभिरक्षक ' बनने की कोशिश कर रहे हैं। और देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुये फांसी के फंदे पर झूलने व अंग्रेजों की यातनायें झेलने वाली कांग्रेस को वंदे मातरम विरोधी तो कभी मुस्लिम परस्त तो कभी पाक परस्त बातकर मुद्रा पतन से लेकर मंहगाई बेरोजगारी जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकने की कोशिश करती रहती है। गत दिनों संसद में वंदे मातरम पर हुई चर्चा भी जनहितकारी मुद्दों से ध्यान भटकने की ऐसी ही एक कोशिश थी जिसमें वंदे मातरम को लेकर भाजपा की नीति और नीयत का अंतर साफ नजर आया।

चिंतन-मनन

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ऐसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया।

कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता, तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से, संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोचाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। 'गजवा हिंद' के प्रलापों के प्रतिकार में 'भगवा हिंद' का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि 'यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी' बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।

इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि 'राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा' एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा।

इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रुवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाजें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रक्रिया बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पश्चिम बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिजन एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पश्चिम बंगाल में जो चल रहा है वह महज 'बागेश्वर बनाम बाबरी विवाद' नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और वही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमरोहा पुलिस द्वारा जोया क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ एवं यातायात अनुशासन अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात पुलिस टीम द्वारा जोया पुल के ऊपर एवं नीचे व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुल के दोनों ओर फैले अवैध अतिक्रमण, सड़क पर खड़े ठेले, अनावश्यक अवरोध एवं अव्यवस्थित रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाया गया। यातायात पुलिस ने पाया कि पुल के आस-पास अनावश्यक रूप से खड़े वाहन यातायात बाधित कर रहे थे और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ा रहे थे। इस पर एमवी एक्ट के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई करते हुए अनियमित रूप से

खड़े वाहनों का चालान किया गया तथा उन्हें तत्काल हटवाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद वाहन चालकों और राहगीरों को यातायात नियमों के पालन, निर्धारित पार्किंग स्थलों के उपयोग तथा सड़क पर

अतिक्रमण न करने के लिए जागरूक किया। अमरोहा यातायात पुलिस ने स्पष्ट कहा है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में सुचारू एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

बछरायूं थाने में 'ऑपरेशन किरण अभियान' के तहत टूटा घर फिर से बसा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के थाना बछरायूं में 'ऑपरेशन किरण अभियान' के तहत एक पारिवारिक विवाद को सुलझाया गया और एक टूटा हुआ घर फिर से बस गया। बछरायूं क्षेत्र में चल रहे एक पति-पत्नी के बीच विवाद को सुलझा कर पुलिस ने उनके बीच समझौता कराया। बता दें कि बुधवार को थाना बछरायूं क्षेत्र के गांव की एक महिला ने अपने पति के खिलाफ थाना बछरायूं में शिकायत दर्ज कराई थी। यह शिकायत पारिवारिक विवाद से संबंधित थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल दोनों पक्षों को थाने में बुलाया इसके बाद उप निरीक्षक संजोग तोमर और महिला कांस्टेबल

वर्षा की मौजूदगी में दोनों की गहन काउंसलिंग की गई। पुलिस की पहल और समझाईश के बाद पति-पत्नी ने आपसी सहमति से अपने मतभेदों को सुलझा लिया। दोनों पक्षों के बीच विधिवत समझौता नामा लिखा गया जिससे कानूनी कार्यवाही की आवश्यकता समाप्त हो गई ।थाना बछरायूं पुलिस ने इस मामले में ऑपरेशन किरण अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए पति-पत्नी के घर को टूटने से बचा लिया। इस सफल मध्यस्थता के बाद दोनों अपने घर खुशी-खुशी लौट गए। पुलिस टीम की त्वरित और सकारात्मक मध्यस्थता को ऑपरेशन किरण का एक सफल उदाहरण माना जा रहा है।

प्राणों की आहुति देकर सैनिक करते हैं मातृभूमि की रक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के एक निजी बैंकट हॉल में मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अतुल कुमार सेवा मेडल निदेशक सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास की उपस्थिति में पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने राज्य व केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रहे हैं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि सीमा पर प्राणों का बलिदान देने वालों वाले सैनिकों की वजह से ही देशवासी चयन की नींद सो पाते हैं। उन्होंने कहा कि वीर सैनिक अपनी

जान की परवाह किए बिना मातृभूमि रक्षा के लिए अपनी प्राणों की आहुति देते हैं। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनी और निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ब्रिगेडियर अतुल कुमार ने भूतपूर्व सैनिकों व सैनिकों की विधवाओं को सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास की ओर से 2000-2000 के चेक वितरित किए।

कार्यक्रम में तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य कौशल विकास मधनिषेध की जानकारी, रोजगार मेला, सरकार द्वारा संचालित एवं स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर कैप्टन विवेक कुमार जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पेंशनर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी/कोर कमेटी की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- पेंशनर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी/कोर कमेटी की बैठक आयोजन किया गया। इस दौरान जिला मंत्री राजेंद्र सिंह राणा के आवास पर आयोजित की गई। जिसमें आगामी 15 दिसंबर को देश व्यापी धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत जनपद अमरोहा में भी शहीद पार्क कलेक्ट्रेट अमरोहा पर एक दिवसीय धरना सभा कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी महोदया के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा। इस धरना प्रदर्शन में सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ ही राजकीय शिक्षक संघ, माध्यमिक शिक्षक संघ तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के साथ ही विभिन्न निगमों और प्राधिकरणों के सेवानिवृत कर्मचारी शामिल होंगे। तथा भारत सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर मांग की जाएगी कि जनवरी 2025में पारित वित्त विधेयक जिसमें सेवानिवृत और सेवारत कर्मचारी को विभाजित करने का अधिकार सरकार ने खुला अपने अधिकार में ले लिया है को तत्काल वापस लिया जाए और आठवें वेतन आयोग को भेजे टर्म आफ रेफरेंस में

पेंशनर्स को भी शामिल कर पुनः भेजा जाए जिससे पेंशनर्स को भी आठवें वेतन आयोग का लाभ मिल सके। अतः शीघ्र यह मांग पूरी करने की मांग भारत सरकार से की जाएगी इसके साथ ही पेंशन कम्यूटेशन की समय सीमा 15वर्ष से घटाकर 10वर्ष करने की भी व्यवस्था आठवें वेतन आयोग से कराई जाए। बैठक में जिला अध्यक्ष अनूप सिंह पेसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह चिकारा, जिला मंत्री राजेंद्र सिंह राणा, कोषाध्यक्ष शिशुपाल सिंह , उपाध्यक्ष अमीपाल सिंह, प्रवक्ता सोमदत्त, सुनील त्यागी, ज्ञानेंद्र सिंह त्यागी, धर्मपाल सिंह, नानकचंद , अनीता यादव सहित बेसिक शिक्षक संघ, माध्यमिक शिक्षक संघ आदि संगठनों के सदस्य भी उपस्थित रहे। दोपहर 12बजे सभी से बढ़चढ़ कर इस 15दिसंबर के धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रयास करने की अपील की गई। पेंशनर्ष एसोसिएशन जनपद अमरोहा के पदाधिकारी इस कार्यक्रम की सफलता के लिए कल 11दिसंबर को तहसील नौगावा सादात और अमरोहा में तहसील शाखाओं की बैठक कर साथियों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करेंगे तथा 12 दिसंबर को तहसील धनौरा और हसनपुर शाखाओं की बैठक में शामिल होकर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति हेतु साथियों को प्रेरित करेंगे। 13 और 14दिसंबर को जिला स्तर के पदाधिकारी अमरोहा शहर में रहने वाले पेंशनर्स से घर घर जाकर अपील करेंगे और तहसील शाखाओं के पदाधिकारी अपनी तहसील स्तर पर रहने वाले पेंशनर्स से अनुरोध कर सहभागिता बढ़ाने को प्रेरित करेंगे। 12बजे दोपहर बैठक समाप्त कर दी गई। अनूप सिंह पेसल अध्यक्ष, शिवेन्द्र सिंह चिकारा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह राणा मंत्री, शिशुपाल सिंह कोषाध्यक्ष, अमीपाल सिंह उपाध्यक्ष, सुनील त्यागी तहसील मंत्री अमरोहा पेंशनर्स एसोसिएशन जनपद अमरोहा मौजूद रहे।

हसनपुर के अलीगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार कार खंदक में पलटी,चालक घायल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर अलीगढ़ मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार फिल्मी अंदाज में खंदक में जाकर पलट गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा मंगलवार की देर रात एक बाईक सवार को बचाने के चक्कर में अलीगढ़ मार्ग पर तीसरा मील के निकट हुआ हुआ। इस दुर्घटना में कार चालक जुनैद गंभीर रूप से घायल हो गया। बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक हसनपुर के अलीगढ़ मार्ग पर मंगलवार की देर रात तीसरा मील के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंदक में जाकर पलट गई। इस हादसे में कार चालक जुनैद गंभीर

रूप से घायल हो गया जो हसनपुर का निवासी है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। जिसने बमुश्किल कार चालक को तुरंत कार से बाहर निकाला और बचाव कार्य शुरू किया। घायल जुनैद को तत्काल इलाज के लिए निकट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार हसनपुर से रहरा की दिशा में जा रही थी और उसकी गति बहुत तेज थी। बताया जा रहा है कि यह हादसा किसी बाइक चालक को बचाने के चक्कर में हुआ। इस दुर्घटना के संबंध में फिलहाल पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई है। घायल चालक का इलाज जारी है। हसनपुर कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने बताया कि उन्हें इस मामले में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

ओम प्रकाश राजभर की सभा की तैयारियों को परखने के लिए अमरोहा पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष प्रेम चन्द कश्यप

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के दौरे को लेकर सुभासपा प्रदेश अध्यक्ष प्रेम चन्द कश्यप ने जिला कार्यालय पहुंचकर कार्यक्रम से संबंधित तैयारियों के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। प्रदेश अध्यक्ष प्रेम चन्द कश्यप ने कहा कि सुभासपा सुप्रीमों की यह रैली आसपास के जनपदो में कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने का काम करेगी। प्रेसवार्ता करते हुए उन्होने कहा कि इस बार हमारी पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी विधान सभा चुनाव में सीटों की मांग करेगी। बता दें कि 14 दिसम्बर को सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर कैलसा के मोती स्मृति कालेज में एक सभा को संबोधित करेंगे। इस सभा को सफल बनाने के लिए अमरोहा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने पूरी ताकत झोंक दी है। ऐसे में सभा की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष प्रेम चन्द कश्यप अमरोहा पहुंचे यहां उन्होने पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक लेकर सभा को लेकर जानकारी हासिल कर आवश्यक निर्देश दिए। प्रदेश अध्यक्ष प्रेम चन्द कश्यप ने कहा कि सुभासपा सुप्रीमों की यह रैली आसपास के जनपदो में कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने का काम करेगी। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने प्रदेश अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि 14 दिसम्बर को कैलसा के मोती स्मृति कालेज में ओम प्रकाश राजभर को सुनने को लिए बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ेगी। बैठक में मुख्य रूप से कन्हई राम प्रजापति आदेश अमरोही, सुरेन्द्र सिंह प्रधान,जसवीर सिंह चौहान ऋषिपाल प्रजापति अतिकुर रहमान चमन हैदर मुजीबुर रहमान ललित चौहान बाबूराम पाल डॉक्टर जगत सिंह सलीम अहमद साजिद आलोक प्रधान मास्टर शिव कुमार अकबर हुसैन राजेश कुमार मुस्तफा शीशपाल सिंह राजेश कटारिया विक्की गुप्ता महावीर सिंह अरविंद कुमार सुबोध शर्मा रवि राज कटारिया अनिल पवार आदि मौजूद रहे।

महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में कोर्ट के आदेश पर दो पर मुकदमा दर्ज

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने पहले महिला को लिफ्ट देने के बहाने अपनी स्कॉर्पियो में बैठाया, इसके बाद नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई और फिर वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पुलिस द्वारा पीड़ित महिला की सुनवाई न करने पर उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि यह घटना 25 सितंबर 2025 की बताई जा रही है। गजरौला निवासी एक कारोबारी की पत्नी पेट दर्द की शिकायत के चलते अमरोहा शहर में जोया फ्लाईओवर के पास स्थित एक निजी अस्पताल से दवाई लेने आई थी। गजरौला एक निजी अस्पताल में इलाज से कोई सुधार न होने के बाद वह अमरोहा पहुंची थी। बताया जा रहा है कि जब वह महिला दवाई लेकर घर लौटने के लिए टीपी नगर चौराहे पर सवारी का इंतजार कर रही थी तो इसी दौरान

डिडौली क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला अजय अपनी स्कॉर्पियो से वहां से गुजर रहा था उसके साथ एक युवक और भी था, दोनों ने महिला को गजरौला तक लिफ्ट देने की बात कही और उसे गाड़ी में बैठा लिया आरोप है कि स्कॉर्पियो में बैठने के बाद दोनों युवकों ने महिला को नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। इसके बाद दोनों युवक उसे एक मकान में ले गए और सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों युवक पीड़िता को छोड़कर फरार हो गए। होश में आने के बाद पीड़ित महिला बदहवास हालत में कोतवाली पहुंची और अपनी आपबीती सुनाई लेकिन पुलिस ने इसकी शिकायत सुनने की बजाय उसे वहां से भगा दिया। इसके बाद पुलिस से न्याय न मिलने पर पीड़ित महिला कोर्ट पहुंच गई और अपने लिए न्याय की गुहार लगाई। इस मामले में सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि सीजेएम कोर्ट के आदेश पर आरोपी अजय और उसके एक अज्ञात साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है इस मामले में पुलिस गहनता से जांच कर आगे की कार्यवाही करेगी।

जिला चिकित्सालय में विश्व मानवाधिकार दिवस का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं ज्योति चौधरी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार जनपद अमरोहा में दिनांक 10 दिसम्बर 2025 को जिला चिकित्सालय अमरोहा में विश्व मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सी०एम०एस० अश्वनी भण्डारी ने की। सी०एम०एस० अश्वनी भण्डारी ने पूरी मानव जाति को शांति और

शोहार्दपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित किया साथ ही नशा करने से दूर रहने के लिए भी आग्रह किया, बताया कि नशा करने की क्या क्या हानि है तथा शिविर का संचालन लोकमान सिंह चौहान परा विधिक स्वंय सेवक ने किया लोकमान सिंह ने संचालन करते हुए मानव अधिकार के बारे में जनता को जागरूक किया और बताया कि पूरी मानव जाति शोषण, दमन, अत्याचार और आतंकवाद से पीड़ित है। इसीलिए आज सभी देशों में मानवाधिकार की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है। इसीलिए मानवाधिकारों का उदय मानव के विकास के लिए हुआ है क्योंकि इसके बिना मानव न तो यह सम्मान के साथ रह सकता था और न ही सभ्यता और संस्कृति का विकास कर सकता है. साथ ही साथ सभी परा विधिक स्वयं ने मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य अपने अपने विचार आम जनमानस के समक्ष रखें और यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का क्या कार्य है, और कैसे करता है, और परा विधिक स्वंय सेवक कौन होते है इनका क्या कार्य होता इन सब बातों से आम जनता को जागरूक कर सबके अच्छे स्वास्थय की परिकल्पना के साथ शिविर का समापन किया गया। शिविर में परा विधिक स्वंय सेवक डा० प्रथम चौधरी, आले नबी, रिहाना, मैराज परवीन, प्रीति, परवीन कुमार, रामनिवास, वसीम अहमद, शोभित, आदि परा विधिक स्वंय सेवक उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा थाना प्रभारी बने 'कॉप ऑफ द मंथ'पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने किया सम्मानित

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार को नवंबर माह के लिए एक बार फिर 'कॉप ऑफ द मंथ' घोषित किया गया, जिसके लिए अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने उन्हें सम्मानित भी किया। इससे पहले सितंबर माह में भी उन्हें यह सम्मान प्राप्त हो चुका है। बता दें कि मंडी धनौरा थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने कुल 1964 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्हें यह सम्मान साइबर अपराध की रोकथाम और पीड़ितों की सहायता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया है। बालेंद्र कुमार ने साइबर अपराध से संबंधित मामलों में अपनी पूर्ण निष्ठा, मनोयोग और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया है।

उन्होंने साइबर धोखाधड़ी से प्रभावित आम नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की है। इस उपलब्धि से न केवल पुलिस की तत्परता और तकनीकी दक्षता को दशार्या गया है बल्कि आमजन और पुलिस के बीच विश्वास को भी मजबूती मिली है।

मिशन शक्ति 5.0 की एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं-बालिकाओं को बनाया सशक्त व जागरूक

संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण (फेज-5.0) के तहत जनपद सम्भल पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन की दिशा में एक बार फिर सक्रियता दिखाई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा के निर्देशन में बुधवार को पूरे जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। महिला पुलिसकर्मियों की विशेष टीमों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर बालिकाओं व महिलाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्हें घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, छेड़छाड़, साइबर क्राइम जैसी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक किया गया। जनपद की एंटी रोमियो टीमों ने प्रमुख बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों, बस स्टैंडों और धार्मिक स्थलों पर विशेष चेकिंग की और महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षित महसूस कराने का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में रंगीन पम्पलेट बांटे गए जिनमें निम्नलिखित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर थे । महिला पुलिसकर्मियों ने मोबाइल फोन पर पैनिक बटन का लाइव डेमो भी दिखाया ताकि किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत पुलिस तक सूचना पहुंच सके। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा, मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि नारी शक्ति को सम्मान और सुरक्षा देने की सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता है। हमारा प्रयास है कि जनपद की हर महिला और बालिका बेखौफ होकर आगे बढ़े।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में विवादों का सुलह से हुए निस्तारण

चंदोसी/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की नियमित बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में हुई इस बैठक में पति-पत्नी के बीच हुए घरेलू एवं वैवाहिक विवादों को सुलझाने का प्रयास किया गया। काउंसलरों ने कुल बीस पत्रावलियों की सुनवाई की, जिनमें से तीन पत्रावलियों का दोनों पक्षों की सहमति से सुलह-समझौते के आधार पर सफल निस्तारण कर दिया गया। दो परिवारों को फिर से मिला दिया गया। एक पत्रावली आवेदक द्वारा आगे बल न देने के कारण बंद कर दी गई। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, सब-इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, महिला कांस्टेबल रुचि पी.सी. सुधारानी सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार परामर्श केंद्र का मुख्य उद्देश्य अदालत के चक्कर लगाने से पहले पारिवारिक विवादों को आपसी सुलह-समझौते से निपटाना है, ताकि परिवार बचे रहें और समाज में सौहार्द बना रहे। इस तरह की बैठकों को अब नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण में गांवों को रोल मॉडल बनाने की ली जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों को स्वच्छता को लेकर विकसित किए जाने को लेकर श्रावस्ती में आयोजित दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के प्रधान गण, सचिव, पंचायत सहायक, सफाईकर्मी, तकनीकी सहायकों ने जानकारी प्राप्त की। पंचायतीराज विभाग कुशीनगर आलोक प्रियदर्शी के निर्देश पर सोमवार और मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण के तहत प्रात प्रतिभागियों ने गांवों को मॉडल बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक सहभागिता की प्रक्रियाओं का अध्ययन किया और उनका अवलोकन कर ज्ञान अर्जित किया। दल ने फील्ड विजित में कचरा प्रबंधन, बायो गैस यूनिट संचालन, जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया, बायो एनर्जी से आटा चक्की संचालन, बर्मी कंपोस्ट की जानकारी ली। 30 सदस्यीय एक्सपोजर विजिट प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडीओ पंचायत नीरज चतुर्वेदी, सचिव डॉ सरिता गुप्ता, कंसल्टिंग इंजीनियर दानिस अंसारी, ग्रामप्रधान बटेसरा मोहनलाल गुप्ता, ग्राम प्रधान संजीव सिंह सहित प्रधान गण, सचिव, पंचायत सहायक, सफाईकर्मी, तकनीकी सहायक शामिल रहे।

विश्व मानवाधिकार दिवस सामाजिक संगठनों और अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

असमोली/संभल(सब का सपना):- विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के संभल जिले के असमोली ग्राम में स्थानीय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों और मानवाधिकार कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसका उद्देश्य मानवाधिकारों की रक्षा और जागरूकता बढ़ाना था। बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि मानवाधिकार केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता का आधारभूत अधिकार है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों जैसे कमजोर वर्गों को न्याय और समानता प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मानवाधिकारों का उल्लंघन रोकने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। हमें पीड़ितों को तत्काल सहायता सुनिश्चित करनी होगी।

कार्यक्रम के दौरान मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें जागरूकता अभियानों को मजबूत करने, पीड़ितों के लिए त्वरित सहायता व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर सुधार लाने पर बल दिया गया। पदाधिकारियों ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया, ताकि आमजन अपने अधिकारों से परिचित हो सके और अन्याय के खिलाफ मुखर हो सके। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों ने मानवाधिकार संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इसके अलावा, सक्रिय योगदान के लिए सभी को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया, जो स्थानीय स्तर पर मानवाधिकारों के प्रति सकारात्मक संदेश देने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस अवसर पर मानवाधिकार कानून एवं सुरक्षात्मक भ्रष्टाचार निवारण जिला संभल की पूरी टीम उपस्थित रही।

प्रमुख सदस्यों में महासचिव प्रमोद कुमार यादव, जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार त्यागी, प्रांत उपाध्यक्ष गौरव कुमार यादव, जिला सचिव समय सिंह, महामंत्री ओमवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह यादव, जिला संभल मीडिया प्रभारी शिव कुमार और जिला कानूनी सलाहकार चंद्रभान सिंह यादव शामिल रहे।

खंदी में घायल अवस्था में मिला व्यापारी, मौत

संभल: कुढ़फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बेरनी के पास बुधवार दोपहर खंदी में घायल अवस्था में एक युवक और उसकी बाइक राहगीरों को दिखाई दी। इसके बाद राहगीरों ने उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। सोशल मीडिया पर फोटो देखकर परिजन मौके पर आ गए। जिसके बाद युवक की पहचान सचिन सक्सेना (40) निवासी ब्रजनगर गणेश कॉलोनी के रूप में की। फिर परिजन एंबुलेंस की सहायता से उसे सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नलकूप का कनेक्शन देने के नाम पर 1.20 लाख की ठगी, रिपोर्ट दर्ज

गुन्नौर। बिजली कनेक्शन दिलाने के नाम पर एक युवक से 1.20 लाख की ठगी कर ली गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट पंजीकृत की है। थाना कैला देवी क्षेत्र के गांव चकरपुर मैमरी निवासी सद्दाम ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायतीपत्र में कहा है कि करीब दो वर्ष पूर्व वह 10 किलोवाट के ट्यूबवेल के बिजली कनेक्शन के लिए बबराला में सुशांत नामक एक व्यक्ति से मिला था। उसने खुद को बिजली विभाग की सौभाग्य योजना से जुड़ा कर्मचारी बताकर कनेक्शन दिलाने के नाम पर 1.20 लाख रुपये ले लिए। साथ ही 10 किलोवाट के बजाय केवल दो किलोवाट का फर्जी कनेक्शन जारी कर दिया। जब पीड़ित को धोखाधड़ी का संदेह हुआ और उसने पैसे लौटाने को कहा तो आरोपी लगातार टालता रहा तथा एक दिन धमकी देते हुए अभद्रता की और कहा कि वह न तो पैसे वापस करेगा और न कनेक्शन मिलेगा। लंबे समय तक न्याय न मिलने पर अब एसपी को लिखित शिकायत दी। एसपी के आदेश पर थाना बबराला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मामले की विवेचना चौकी प्रभारी ब्रजपाल सिंह को सौंपी गई है।

ब्रजघाट गंगा पुल से लेकर नगर तक हाईवे पर कई जगह छाया अंधेरा

अमरोहा: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों से 34 किमी के दायरे में दो स्थान पर टोल टैक्स वसूल कर रहा, लेकिन सुविधाओं के नाम पर शून्य है। रात में हाईवे पर कई-कई किमी तक अंधेरा छाया रहता है। हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों एवं वाहन चालकों की यात्रा आरामदायक हो। उनको किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े, यह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। मगर जो प्राधिकरण ब्रजघाट से जोया तक करीब 34 किमी से कम की दूरी पर दो बार टोल टैक्स वसूल कर रहा है, वह लोगों को अन्य सुविधाएं तो दूर पर्याप्त रोशनी का इंतजाम नहीं कर रहा। मंगलवार रात करीब 9.15 बजे ब्रजघाट गंगा पुल से मोहम्मदाबाद तक लाइट बुझी हुई थीं। इससे आगे कुछ दूर लाइट जलती पाई गईं, कांकाठेर के सामने फिर अंधेरा मिला। शहवाजपुर डोर के सामने लाइट जल रही थीं। इससे आगे औद्योगिक क्षेत्र के सामने तक अंधेरा छाया रहा।

बताया जा रहा है कि यह अंधेरा आए दिन रहता है। इस कारण हाईवे से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाईवे चौड़ीकरण का कार्य कर रही कंपनी के जीएम ललित मोहन तिवारी का कहना है कि कुछ देर के लिए कभी कभार बिजली चली जाती है। इस कारण अंधेरा हो जाता है।

प्रयागराज में रिश्वतखोर बाबू को पकड़ने पहुंचे अधिकारियों को पीटा

प्रयागराज। एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों पर हमला हुआ है। टीम ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे प्रयागराज विकास प्राधिकरण (PDA) के एक बाबू को 8 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। अधिकारी आरोपी बाबू को अपने साथ ले जाने लगे। तभी बाबू ने हंगामा कर दिया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आरोपी के कई साथी कर्मचारी भी वहां पहुंच गए। रिश्वतखोर बाबू को छुड़ाने के लिए हाथापाई करने लगे। टीम ने विरोध किया तो कर्मचारियों ने उनकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। हालांकि कर्मचारियों के विरोध के बावजूद टीम आरोपी बाबू को पकड़ ले गई। अब पुलिस PDA में लगे CCTV को चेक करके टीम पर हमला करने वालों की पहचान करने में जुटी है। प्रयागराज में शांतिपुरम के प्राणेश पांडेय के नाम 5 साल पहले PDA से लॉटरी के जरिए जमीन का आवंटन हुआ था। लॉकडाउन में नौकरी चली गई। इसलिए रजिस्ट्री के लिए रुपए जुटाने में दिक्कत हुई। अलॉटमेंट के बाद दो महीने तक लेखाधिकारी और बाबू ने फाइल लटकाए रखी। बाद में इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए वह PDA कार्यालय पहुंचे थे। यहां उनकी मुलाकात कनिष्ठ सहायक अजय कुमार से हुई। प्राणेश पांडेय ने बताया कि कनिष्ठ सहायक अजय कुमार ने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की। परेशान होकर मैंने अखबार में छपे नंबर से एंटी करप्शन ऑगेर्नाइजेशन से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन यूनिट ने पहले शुरूआती जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरोपी बाबू को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनी।

फाजिलनगर: 37 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

संवाददाता

कुशीनगर। पावानगर महावीर इंटर कॉलेज परिसर में समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 33 हिंदू तथा 4 मुस्लिम जोड़ियों सहित कुल 37 नवदंपतियों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया। जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने सभी नवविवाहितों के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से बारातें पावानगर महावीर इंटर कॉलेज परिसर पहुंचीं। नोडल अधिकारी खण्ड विकास अधिकारी सुभाषचंद्र चौरसिया के नेतृत्व में अधिकारियों ने बारातों का स्वागत किया। हिंदू जोड़ियों को विवाह मंडप में तथा मुस्लिम जोड़ियों का क्रमशः वैदिक मंत्रोच्चार और कलमा के साथ सभी जोड़ियां वैवाहिक जीवन में बंध गईं। क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब और वंचित परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। एमएलसी रतनलाल सिंह ने कहा कि सरकार की यह योजना हजारों परिवारों को नई दिशा दे रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि किसी गरीब की बेटी की शादी आर्थिक तंगी के कारण बाधित न हो। सांसद प्रतिनिधि एवं ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज चौबे, सामाजिक कार्यकर्ता केदार सिंह, नंदलाल विद्रोही, प्रधान प्रतिनिधि विजय बहादुर सिंह, प्रधान संघ उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, नागेंद्र गुप्ता, डॉ. कन्हैया शर्मा, राजेश राय, अभिषेक तिवारी बिट्टू सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संबोधित किया। संचालन संगीताचार्य और कवि मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। शाम को सभी 37 जोड़ियों को सरकार द्वारा निर्धारित घर-गृहस्थी के सामान व अन्य उपहार प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ विदा किया गया। आयोजन में नोडल अधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र चौरसिया, समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव, हिमालय कुशवाहा, अशोक यादव, ग्राम प्रधान मधुबन सिंह, अरविंद कुशवाहा, ओंकार राय, उमेश गुप्ता मौजूद रहे।

नियम ताक पर, तेज आवाज में देर रात तक बज रहे डीजे

गुन्नौर। कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाए जाने से आमजन को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ पड़ता है। डीजे की ध्वनि और बजाने का समय निर्धारित होने के बाद भी चल रही मनमानी से शादी-विवाह व अन्य आयोजनों में डीजे की तेज आवाज से बुजुर्गों, बच्चों व मरीजों की नींद हराम हो रही है, वहीं छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात 10 बजे के बाद भी खुलेआम डीजे बजाया जा रहा है, जबकि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के अनुसार रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक डीजे व लाउडस्पीकर पर पूर्ण प्रतिबंध है। नियमों के तहत आवासीय क्षेत्र में दिन के समय अधिकतम 55 डेसीबल और रात के समय 45 डेसीबल, जबकि व्यावसायिक क्षेत्र में दिन में 65 डेसीबल और रात में 55 डेसीबल की सीमा तय है। इसके अलावा अस्पताल, स्कूल और न्यायालय के आसपास के साइलेंट जोन में दिन में 50 और रात में 40 डेसीबल से अधिक शोर करना प्रतिबंधित है। बावजूद इसके आयोजनों में यह सीमा लगातार पार की जा रही है। इस संबंध में एसडीएम अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि यदि कहीं तेज आवाज में डीजे बजने से लोगों को परेशानी हो रही है, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जा सकती है, मौके पर पहुंचकर डीजे बंद कराया जाएगा। वहीं सीओ आलोक सिद्धू ने कहा कि यदि निर्धारित डेसीबल से अधिक आवाज में डीजे बजाया जा रहा हो तो लोग डायल 112 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में, जनपद न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद सम्भल डॉ विदुषी सिंह के आदेशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद सम्भल के निर्देशन में मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष में राजेश कुमार सरस्वती विधा मंदिर इंटर कॉलिज चन्दौसी में विद्यार्थियों में मानवाधिकार संबंधी जागरूकता व विधिक जागरूकता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद सम्भल द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानवाधिकार वह मूलभूत अधिकार है जो प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होता हैं, और उनका संरक्षण समाज तथा शासन दोनों की समान जिम्मेदारी है। जागरूकता कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज में लगातार बढ़ रही असमानता, भेदभाव, हिंसा और मानवाधिकार हनन की घटनाएँ चिंताजनक हैं। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि हर नागरिक मानवाधिकारों के प्रति जागरूक होकर अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाए एवं विभिन्न विषयो पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उदाहरणार्थ- मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्य, बाल अधिकार, किशोर न्याय अधिनियम, साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव, महिलाओं के अधिकार एवं घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम, निःशुल्क विधिक सहायता की पात्रता एवं प्रक्रिया, लोक अदालतें और उनके लाभ इत्यादि । विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे जिनका विशेषज्ञों द्वारा सरल भाषा में उत्तर दिया गया तथा विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल संजीव कुमार, प्रभारी प्रयत्न संस्था, जस्ट राईटस फोर चिल्ड्रेन जनपद सम्भल गौरी शंकर चौधरी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल मयंक गोयल, लिपिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित कुमार, लिपिक लीगल एड डिफेंस काउंसिल धर्मेन्द्र सिंह,असलम, पराविधिक स्वयं सेवक अतुल कुमार चौहान, अंशुन्न, रमाकान्त शर्मा तथा प्रधानाचार्या राजेश कुमार सरस्वती विधा मंदिर इंटर कॉलेज चन्दौसी जनपद सम्भल भोपाल सिंह शास्त्री एवं विद्यार्थीगण आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

खेत की मेढ़ पर लगे पेड़ उखाड़ने को लेकर झगड़े में दो अभियुक्त गिरफ्तार

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान ने एक और सफलता हासिल की है। थाना रजपुरा पुलिस ने ग्राम भैसरोली में खेत की मेढ़ पर लगे पेड़ों को उखाड़ने को लेकर हुए झगड़े के दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम भैसरोली में अभियुक्तगण खेत की मेढ़ पर लगे पेड़ों को उखाड़ने के विवाद में एकत्र होकर आपसी गाली-गलौज कर रहे थे। मामला इतना तीव्र हो गया कि दोनों पक्षों के लोग जान से मारने की नियत से एक-दूसरे पर हमला करने लगे। सूचना पाकर तत्काल मौके पर पहुंची थाना रजपुरा की पुलिस टीम ने दोनों पक्षों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज किया। 10 दिसंबर को थाना रजपुरा पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर मुकदमे में वांछित दोनों अभियुक्तों को ग्राम भैसरोली से दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में जसवन्त पुत्र छत्रपाल, निवासी ग्राम भैसरोली, थाना रजपुरा, सम्भल। अमरपाल पुत्र सियाराम, निवासी भैसरौली, थाना रजपुरा, सम्भल शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आसफ अली रोड पर हमदर्द की बिल्डिंग में आग से मचा हड़कंप, 40 मिनट में किया जा सका काबू

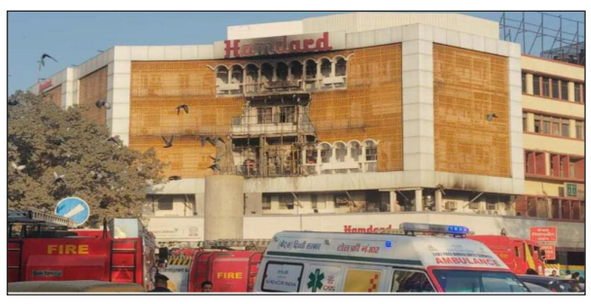

नई दिल्ली। आसफ अली रोड स्थित हमदर्द की बिल्डिंग की पहली मंजिल पर बुधवार दोपहर पैकिंग मटेरियल में अचानक आग लग गई। करीब 3 बजे सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब 40 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। अच्छी खबर यह है कि घटना में अब तक किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। चार मंजिला इस बिल्डिंग में भूतल, ग्राउंड फ्लोर और दो ऊपरी मंजिलें शामिल हैं। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल कूलिंग का काम जारी है, साथ ही तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं अंदर धुआं या आग की कोई बची हुई चिंगारी मौजूद न हो। अधिकारियों ने बताया कि समय पर मिली सूचना और दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई के चलते आग को फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

लाल किला में 'शाहजहां' की वापसी, फिर सुर्खियों में आया एअर इंडिया का ये खास विमान

नई दिल्ली। दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला इन दिनों यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस अवसर को और भी खास बनाने के लिए लाल किले में 'शाहजहां' की भव्य वापसी हुई है,जो दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत कर रहे हैं। हालांकि यहां बात उस महान मुगल बादशाह शाहजहा की नहीं, बल्कि एक शानदार पुराने विमान की हो रही है,बोइंग 747 जंबो जेट का एक आकर्षक मॉडल, जिसका नाम 'शाहजहां' रखा गया था। यह विमान कभी एअर इंडिया के प्रसिद्ध 'एम्परर' (सम्राट) बेड़े का हिस्सा था। यह विशाल विमान मॉडल अब लाल किले के अंदर ब्रिटिश काल के एक बैरक के सामने गर्व से खड़ा है। इसी बैरक में हाल ही में एक नया गैलरी खोला गया है, जिसमें एयर इंडिया की प्रसिद्ध 'महाराजा कलेक्शन' से चुने हुए अनमोल कलाकृतियां, चित्र, पोस्टर और अन्य दुर्लभ वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। यूनेस्को के इस वैश्विक आयोजन में भारतीय संस्कृति और विरासत को जिस खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है, उसमें यह 'शाहजहां' विमान और महाराजा संग्रह एक यादगार प्रतीक बन गए हैं,जो अतीत की शाही शान को आधुनिक आसमान से जोड़ते हैं।

'पापा कब आएंगे? मुझे उनके साथ सोना है', बेटा रोज पूछता है यही सवाल; दिल्ली ब्लास्ट ने दिया जिंदगीभर का गम

दक्षिणी दिल्ली। 'मम्मा-दादू पापा कब आएंगे? मुझे उनके साथ सोना है।' रोज रात तीन साल का मासूम यह सवाल पूछता है और हम उसे बस दिलासा देते हैं कि उसके पापा भगवान जी के पास गए हैं, जल्द आ जाएंगे। 10 नवंबर 2025 को दिल्ली में लाल किला के सामने हुए कार बम विस्फोट को महीना भर बीत चुका है लेकिन, परिवार उबर नहीं पाया है। यह कहना है श्रीनिवासपुरी निवासी जगदीश कुमार का, जिन्होंने इस हादसे में अपने इकलौते बेटे अमर को खो दिया। पीड़ित परिवारों के लिए सरकार ने मुआवजे की घोषणा तो की थी, लेकिन अभी मुआवजा नहीं मिला है। जगदीश अपने भाई के साथ मयूर विहार में टेलरिंग शॉप चलाते हैं। वह बताते हैं, 'समय बिताने के लिए दुकान पर जाता था। बेटे ने कई बार कहा था कि मत जाया करो थक जाते होंगे। सोच रहा था कि बेटे ने घर संभाल ही लिया है दुकान पर जाना छोड़ दूंगा। मुझे क्या पता था कि इस उम्र में परिवार की जिम्मेदारी निभाने की नौबत आ जाएगी'। उन्होंने मुआवजे के लिए एसडीएम कार्यालय को फोन करके कुछ जानकारी मांगी थी, लेकिन मुआवजा कब मिलेगा, उन्हें कुछ नहीं पता। कारोबार हुआ बंद, बहू को नौकरी मिले तो घर संभले अमर भागीरथ पैलेस में पार्टनर के साथ होलसेल फामेर्सी चलाते थे, जो, हादसे के बाद से बंद है। जगदीश बताते हैं, 'कारोबार ठप हो गया है। मेरी उम्र 60 साल है और पत्नी घुटने की बीमारी से परेशान है। बहू कृति एमबीए है, सरकार से मांग है कि अगर उसे सरकारी नौकरी मिल जाए, तो परिवार संभल जाएगा।' अमर की चार साल पहले ही शादी हुई थी और बेटा फिलहाल प्ले स्कूल में है। जगदीश कहते हैं 17 दिसंबर को बेटे अमर का जन्मदिन है, वो आज होता तो सब खुशी से जश्न की तैयारी करते लेकिन आज खामोशी छाई है।'

दिल्ली में युवक की हत्या कर लाश को फरीदाबाद में फेंका, पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सुलझाई गुत्थी

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में तुगलकाबाद गांव में हत्या के बाद शव को कार में रखकर उसे फरीदाबाद के सूरजकुंड थाना क्षेत्र में फेंक दिया था। मामला सात दिसंबर की रात का है। पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना गोविंदपुरी पुलिस को आठ दिसंबर की सुबह गांव में रहने वाले विकास मावी नामक युवक के लापता होने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि आखिरी बार विकास को पड़ोस में रहने वाले विशाल राय के साथ शराब पीते हुए देखा गया था। पुलिस ने विशाल को उठाकर पूछताछ की तो उसने सब उगल दिया। विशाल ने बताया कि छह-सात दिसंबर की मध्य रात को उसके साथ गांव के ही रहने वाले प्रवीण और केशव बिधूड़ी भी थे। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों सुबह से शराब पी रहे थे। अधिक शराब पीने के बाद विशाल, प्रवीण और केशव का विकास से झगड़ा होने लगा। तीनों ने किसी भारी वस्तु से विकास के सिर पर मार दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। विशाल और प्रवीण उसे मरा समझकर अपनी कार में डाला और प्रहलादपुर होते हुए फरीदाबाद के सूरजकुंड थाना के सामने से गुजरकर मांगर चोकी एरिया में पहुंच गए। वहां उन्होंने विकास को उठाकर झाड़ियों में फेंक दिया। दोनों वहां से वापस आ गए। पुलिस के मुताबिक, केशव बिधूड़ी ने उस जगह पर लगे सीसीटीवी फुटेज को नष्ट किया, जिसमें ये वारदात कैद हुई थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की निशानदेही पर शव फरीदाबाद से बरामद कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली गई है।

दिल्लीवालों के लिए खुशखबरी: ईवी खरीदने वालों को मिलेगी सब्सिडी, सरकार जल्द शुरू करेगी पोर्टल

दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली सरकार जल्द ही एक पोर्टल शुरू करने जा रही है, जिसके माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को सब्सिडी मिल सकेगी।

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली। जो लोग दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना चाहते हैं या जिन्होंने पिछले सालों में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदा है और उन्हें अभी तक दिल्ली सरकार की ओर से सब्सिडी नहीं मिल सकी है, ऐसे लोगों को खबर राहत देगी कि दिल्ली सरकार जल्द ही वह पोर्टल शुरू करने जा रही है जिसके माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को सब्सिडी मिल सकेगी। बता देंगे अभी केंद्र सरकार द्वारा देश भर में दी जा रही इलेक्ट्रिक वाहनों में सब्सिडी तो मिल रही है, वह दिल्ली में भी मिल रही है। मगर दिल्ली सरकार द्वारा अपनी ओर से निर्धारित सब्सिडी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर दिल्ली

में नहीं मिल पा रही है। ऐसे में यहां इलेक्ट्रिक वाहन उतने सस्ते नहीं हैं, जितने सस्ते होने की सरकार ने घोषणा की थी। इलेक्ट्रिक कारों पर कितनी सब्सिडी? ऐसे में दिल्ली सरकार जिस तरीके से इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देना चाह रही है वह अभी नहीं हो पा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पूर्व की सरकार ने अगस्त 2020 में इलेक्ट्रिक वाहन नीति का शुभारंभ किया था। जिसमें अलग-अलग श्रेणी के वाहनों पर छूट देने का प्रविधान था। शुरू में 1000 इलेक्ट्रिक कारों पर भी डेढ़ लाख तक की सब्सिडी दी गई थी। दोपहिया और आटो और बैट्री रिक्शा पर 30 हजार रुपये सब्सिडी बाद तक जारी रही। मगर जनवरी 2024 में यह सब्सिडी लोगों को मिलना बंद हो गई थी। माना जा रहा है कि पूर्व सरकार के समय की सब्सिडी के करीब 49 करोड़ रुपये अभी तक लोगों को नहीं मिल पाए हैं। मामला अदालत तक भी पहुंच चुका है। उसके बाद भी इस समस्या का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। सरकार के सूत्रों की मानें तो जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहनों को लिए सब्सिडी शुरू करने जा रही है। इसके लिए लगभग तैयारी पूरी हो चुकी है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर परिवहन विभाग की ओर से इसके लिए उस पोर्टल को शुरू किया जाना है जो पिछले सरकार के समय से ठप है। कुछ इसमें बदलाव भी किए गए हैं। जिससे कि लोगों को सब्सिडी मिलने में आसानी होगी। हालांकि जानकारी पोर्टल को लेकर विस्तार से जानकारी मुख्यमंत्री द्वारा पोर्टल को लॉन्च करने पर ही दी जाएगी। मगर यह तय है कि जल्द दिल्ली को एक लोगों को सब्सिडी मिलनी शुरू होगी। दिल्ली सरकार ने 2026 तक दिल्ली को इलेक्ट्रिक राजधानी बनाने की घोषणा की है। हालांकि पूर्व सरकार ने भी 2025 तक दिल्ली को इलेक्ट्रिक वाहन की इलेक्ट्रिक वाहनों की राजधानी बनाने की बात कही थी। मगर ऐसा कर नहीं पाई थी। यहां बता दें कि केंद्र सरकार ने भी कुछ माह पहले बैठक कर सभी अन्य राज्यों के साथ-साथ दिल्ली को विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कहा है। जिसका मकसद दिल्ली में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना है।

स्वामी रामदेव और जैन संत प्रसन्न सागर करेंगे 'हर मास-एक उपवास' महाभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। स्वामी रामदेव और जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी के मार्गदर्शन में दो-दिवसीय "अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन" होने जा रहा है। 'जनमंगल की सम्यग्दृष्टि : उपवास, ध्यान, योग व स्वदेशी चिंतन' पर केंद्रित होगा। 12-13 दिसम्बर को इस सम्मेलन में 'हर मास - एक उपवास' महाभियान के शुभारंभ पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के केबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं कपिल मिश्रा, सांसद

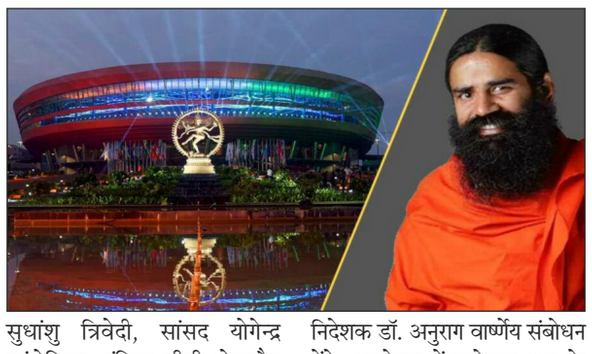

सुधांशु त्रिवेदी, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, इंडिया टीवी चेयरमैन रजत शर्मा, जाने माने लीवर विशेषज्ञ डा. एस. के. सरीन, भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एन. पी. सिंह, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय संबोधन देंगे। आयोजन में बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री डिजिटल संबोधन देंगे वहीं आचार्य बालकृष्ण, गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद और महंत बालकनाथ योगी पावन सानिध्य प्रदान करेंगे। दुनिया के जनमंगल हेतु स्वामी रामदेव के अखंड-प्रचंड पुरुषार्थ से योग पूरी दुनिया में "हरिद्वार से हर द्वार" तक पहुंचा और मानवता को वरदान मिला। ठीक उसी प्रकार आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने अतुलनीय 557 दिवस तक निरंतर उपवास करके (और अब तक 3500 से अधिक उपवास करके) "उपवास साधना शिरोमणी" की प्रतिष्ठा प्राप्त की है। अब दोनों संतों ने जनमंगल के लिए "हर मास -एक उपवास" का महाभियान शुरू करने का फैसला लिया है। ताकि समस्त सिद्धिदायक "उपवास" महामंत्र से मानवता का कल्याण हो।

दिल्ली की कोर्ट से लूथरा भाइयों को नहीं मिली राहत, पुलिस से अग्रिम जमानत याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी कोर्ट ने लूथरा ब्रदर्स को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने पुलिस से अग्रिम जमानत याचिका पर जवाब मांगा है। बर्च बाय रोमियो लेन के मालिक लूथरा भाइयों ने अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी। इसके बाद सेशंस कोर्ट में आज इस मामले की सुनवाई दोपहर में दो बजे हुई। उनकी लीगल टीम के एक वकील ने कन्फर्म किया था। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के हवाले से कई रिपोर्ट्स में कहा गया कि अरपोरा नाइटक्लब चलाने वाले भाइयों की बीच पर बनी झोपड़ी को गिराया जाएगा, जहां पिछले हफ्ते भयानक आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने कहा कि वागाटोर में 'रोमियो लेन' को

बुलडोजर से गिरा दिया जाएगा, क्योंकि रेस्टोरेंट, जो कथित तौर पर सरकारी जमीन पर बना था, उसे अधिकारियों ने सील कर दिया है। भारत छोड़ थाईलैंड भागे लूथरा ब्रदर्स लूथरा बंधुओं के खिलाफ सात दिसंबर को लुक आउट सर्कुलर नोटिस जारी कराने के बाद सीबीआई के इंटरपोल ने थाईलैंड की सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क कर दोनों भाइयों के बारे में जल्द से जल्द जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। इंटरपोल ने लूथरा बंधुओं के खिलाफ ब्लू नोटिस भी जारी कर दिया है। ब्लू नोटिस का मतलब आरोपितों की पहचान, उनकी लोकेशन और गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाना होता है। इंटरपोल ने फुकेट पुलिस से कहा है कि वे लूथरा बंधुओं को पकड़कर जल्द हिरासत में ले लें और इसकी सूचना गोवा पुलिस को दें। नाइटक्लब में आगजनी की घटना के तुरंत बाद लूथराब्रदर्स मुंबई से इंडिगोएयरलाइंस से रविवार तड़के ही भारत से फुकेट भाग गए थे। जानकारी के मुताबिक, गोवा पुलिस ने पंजाबी बस्ती, सब्जी मंडी से सोमवार सुबह भरत कोहली नाम के जिस मैनेजर को गिरफ्तार किया है वो सौरभ लूथरा की कार भी चलात था। भरत के पिता भी सौरभ के पिता की गाड़ी चलाते थे। सूत्रों के मुताबिक, सौरभ लूथरा ने गोवा में भरत के नाम पर भी कुछ क्लब के लाइसेंस लिए थे। इसलिए लूथराब्रदर्स ने बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के ऑपरेशनल काम देखने की जिम्मेदारी भरत कोहली को सौंप रखा था।

कितनी साफ हुई यमुना नदी? डीपीसीसी जारी नहीं कर रही रिपोर्ट

नई दिल्ली। यमुना की सफाई को लेकर वर्षों से राजनीति होती रही है। विधानसभा चुनाव से पहले भी यह बड़ा मुद्दा था और आज भी इस पर बयानबाजी जारी है। इन सबके बीच यमुना तथा इसमें गिरने वाले नालों में प्रदूषण का स्तर और सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) से जुड़े आंकड़े जारी नहीं हो रहे हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) हर महीने ये आंकड़े जारी करती है, लेकिन नवंबर 2025 की रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दिल्ली में सत्ता संभालने के बाद भाजपा ने केंद्र और पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर यमुना की सफाई की नई शुरूआत की है। इस बार मानसून में अच्छी बारिश और बाढ़ के कारण नदी में प्रदूषण का स्तर काफी कम हो गया था। लेकिन मानसून खत्म होते ही अक्टूबर से फिर प्रदूषण बढ़ने लगा। यमुना में प्रदूषण के स्तर

में कब आई थी कमी? 9 अक्टूबर को लिए गए नमूनों के आधार पर डीपीसीसी की रिपोर्ट आने के बाद विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरना शुरू कर दिया था। हालांकि, छठ के समय हरियाणा के हथनीकुंड बैराज से नदी में अधिक पानी छोड़े जाने से प्रदूषण का स्तर कुछ कम हो गया था और डीपीसीसी ने 20 अक्टूबर के नमूनों के आधार पर नई रिपोर्ट जारी की, जिसमें प्रदूषण में कमी दिखाई गई। इसके आधार पर दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए पिछले वर्षों की तुलना में यमुना में प्रदूषण कम होने का दावा किया। उनका कहना है कि नदी में गिरने वाले नालों से 20 लाख टन गाद निकाली गई है और एसटीपी का उन्नयन तेजी से किया जा रहा है। इन प्रयासों से यमुना की स्थिति में सुधार हुआ है। कमियों को दूर कर नियमित रिपोर्ट जारी करने की मांग अक्टूबर में एक की जगह दो रिपोर्ट जारी की गई थीं, लेकिन नवंबर में न तो यमुना और न ही इसमें गिरने वाले नालों की कोई रिपोर्ट जारी हुई। एसटीपी की तो सितंबर के बाद कोई रिपोर्ट ही नहीं आई है, जबकि आठ एसटीपी के उन्नयन कार्य पूरे होने के बाद 9 अक्टूबर को उनका उद्घाटन किया गया था। इनका आंकड़ा भी सार्वजनिक नहीं किया गया। पर्यावरणविद् इसे लेकर नाराजगी जता रहे हैं। अर्थ वारियर्स के पंकज कुमार कहते हैं कि पारदर्शिता बेहद जरूरी है। लोगों को नियमित रूप से यमुना में प्रदूषण के स्तर की जानकारी मिलनी चाहिए। साउथ एशिया नेटवर्क आन डैम्स, रिवर्स एंड पीपुल (सैंड्रप) के सह-संयोजक बीएस रावत का कहना है कि डीपीसीसी को रिपोर्ट की कमियों को दूर कर इसे नियमित रूप से जारी करना चाहिए। साथ ही जांच के पैरामीटर भी बढ़ाने चाहिए। डीपीसीसी के सदस्य डा. अनिल गुप्ता कहते हैं

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी भगोड़ा, आरोपी के कब्जे से बरामद हुआ कीमती सामान

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका जिला पुलिस की एंटी-बर्गेलरी सेल टीम ने एक सक्रिय, भगोड़े और इनामी सेंधमार को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान नैम के रूप में हुई है जो जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश का निवासी है। आरोपी नैम को 16 मई को द्वारका कोर्ट ने भगोड़ा अपराधी घोषित किया था, और उसकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का नकद इनाम भी घोषित किया गया था। अधिकारी ने बताया कि लगभग एक साल पहले, शिकायतकर्ता सुभाष चंद पांडे के भारत वंदना अपार्टमेंट, सेक्टर 19, द्वारका स्थित आवास में सेंधमारी हुई थी। इसमें सेक्टर 23 थाने की पुलिस ने दो सेंधमारों वसीम उर्फ चपटा, फरजंद अली और एक सुनार मनीष को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन चोरी हुए आभूषण की बरामदगी बाकी थी। इसके बाद यह मामला एंटी-बर्गेलरी सेल को सौंप दिया गया। इंस्पेक्टर विवेक मैंडोला के नेतृत्व में, एसआई विनोद कुमार, एएसआई राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल अनिल, कांस्टेबल राहुल और आशीष की टीम ने आरोपितों के सहयोगी नैम और अकील की तलाश शुरू की और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की। इनाम घोषित होने के बावजूद टीम ने एक साल तक प्रयास जारी रखे। इसी दौरान सूचना मिली कि वांछित आरोपित नैम सीकर जेल (राजस्थान) में एक अन्य सेंधमारी के मामले में बंद है। प्रॉडक्शन वारंट प्राप्त करने के बाद नैम को गिरफ्तार किया गया। दो दिन की पुलिस हिरासत के दौरान, नैम की निशानदेही पर उसके मेरठ स्थित आवास से सोने के आभूषण और लगभग 80 ग्राम पिघला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसका कुल वजन लगभग 100 ग्राम है। पूछताछ में पता चला कि शादी के बाद नैम को शराब और जुए की लत लग गई थी, जिसके चलते उसने अपना पैतृक घर बेच दिया और भारी कर्ज ले लिया। कर्ज के दबाव में उसने वसीम, फरजंद अली और अकील के साथ मिलकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सेंधमारी शुरू कर दी। नैम पहले से ही आर्म्स एक्ट, सेंधमारी और घरों में चोरी के 6 अन्य मामलों में शामिल रहा है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने तीन जोड़ी सोने की बालियां, तीन सोने की अंगूठियां, दो सोने के लॉकेट, दो जोड़ी सोने के टॉप्स, एक सोने का झुमका और लगभग 80 ग्राम पिघला हुआ सोना बरामद की है।

एमबीए पास बन गया शातिर अपराधी, गिरफ्तारी के बाद खुला कई बड़ी वारदातों का राज

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली में द्वारका जिले की द्वारका दक्षिण थाना पुलिस टीम ने एक झपटमार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जो एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से एमबीए पोस्ट-ग्रेजुएट है। आरोपी प्रदीप कुमार मलिक बेरोजगारी के कारण बुरे तत्वों के संपर्क में आकर अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले इस आरोपित के पास से पुलिस ने सात छीने गए मोबाइल फोन और एक चोरी की स्कूटी बरामद की है। इस गिरफ्तारी से झपटमारी के 5 और वाहन चोरी का 2 मामला सुलझा लिया है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि द्वारका दक्षिण थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार द्वारा मोबाइल छीनने की लगातार वारदातें सामने आ रही थीं। इन वारदातों को गंभीरता से लेते हुए, एसीपी द्वारका किशोर कुमार रेवाला के पर्यवेक्षण में और एसएचओ द्वारका दक्षिण इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में एएसआई अनिल, एएसआई महाबीर, हेड कांस्टेबल प्रवीण, सुधीर कुमार, मनोज कुमार, संदीप, सुरेंद्र, गज और कांस्टेबल तुषार यादव शामिल थे। वहीं, जांच के दौरान, पुलिस टीम ने वारदातों के आसपास लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय मुखबिरों को सक्रिय किया। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि झपटमार रेलवे लाइन डीडीए पार्क के पास आने वाला है। सूचना के आधार पर जाल बिछाया गया। कुछ देर बाद एक संदिग्ध व्यक्ति स्कूटी से आता दिखाई दिया। उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पीछा करके उसे धर दबोचा। तलाशी के दौरान, आरोपी के लोवर की दाहिनी जेब से एक सैमसंग एम-52 मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने स्कूटी डाबरी थाना क्षेत्र से चोरी की थी। उसने यह भी बताया कि अन्य छीने हुए मोबाइल फोन उसने चोरी की स्कूटी की डिक्की में छिपा रखे हैं। उसकी निशानदेही पर, पांच अन्य मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिन्हें द्वारका दक्षिण और पालम गाँव थाना क्षेत्रों से छीना गया था। पुलिस के अनुसार, प्रदीप कुमार मलिक शादीशुदा है और एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से एमबीए पोस्ट-ग्रेजुएट है। बेरोजगारी के कारण वह बुरे तत्वों के संपर्क में आ गया और नशे का आदी होकर झपटमारी करने लगा। जांच में आरोपी का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला। इसकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दो मामले सुलझाने के साथ ही कब्जे से 07 छीने गए मोबाइल फोन और 01 चोरी की स्कूटी बरामद की है।

घने कोहरे में भी उड़ानें नहीं होंगी कैंसिल, दिल्ली एयरपोर्ट ने धुंध से मुकाबले के लिए कसी कमर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़े एयरपोर्ट आईजीआई का संचालन करने वाली एजेंसी डायल का दावा है कि इस बार सर्दियों की घनी धुंध में भी उड़ानों को न्यूनतम रुकावट के साथ चलाने को वह पूरी तरह तैयार है। डायल का कहना है कि इसके लिए अगली पीढ़ी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और रनवे अपग्रेड के जरिए देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट को फाग-प्रूफ बनाया गया है। आईजीआई में एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर (एपीओसी) बनाया गया है। यहां रियल-टाइम मौसम डेटा, हवाई यातायात की स्थिति और ग्राउंड आपरेशंस को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़कर सेकंडों में सही फैसले लिया जाएगा। इससे रनवे का बेहतरीन इस्तेमाल, गेट आवंटन में तेजी और फ्लाइट सीक्वेंसिंग में सटीकता आएगी। पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रापिकल मेट्रोलाजी (आईआईटीएम) के विंटर फॉग

एक्सपेरिमेंट (वाइफेक्स) में 85 प्रतिशत तक सटीकता वाले इस माडल से 36 घंटे पहले ही घने कोहरे का पता चल जाता है। इसके डेटा को दिल्ली एयरपोर्ट ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत अपने सिस्टम में जोड़ा है, जिससे एयरलाइंस, एटीसी और ग्राउंड स्टाफ पहले से तैयारी कर लेते हैं। डायल के अनुसार आजीआई के तीनों मुख्य रनवे (11एल/29आर, 11आर/29एल और 10/28) दोनों सिरों से कैट-क्कक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम से लैस हो चुके हैं। द्वारका साइड पर रनवे 10/28 का हालिया अपग्रेड पूरा होने से अब जीरो विजिबिलिटी में भी सुरक्षित लैंडिंग संभव है और प्रति घंटे 30 लैंडिंग हो सकेंगी। इसके फलस्वरुप पहले धुंध के बाद नार्मल आपरेशन शुरू होने में छह घंटे लगते थे, अब सिर्फ दो घंटे लगेंगे। डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि कोहरा प्रकृति की देन है, लेकिन हम तकनीक और तैयारी से उसका असर यात्रियों पर न्यूनतम करेंगे। इस सर्दी में दिल्ली एयरपोर्ट न सिर्फ सुरक्षित, बल्कि सबसे भरोसेमंद रहेगा।

हरियाणा में अब ऊंची इमारतें खड़ी करना होगा आसान, नियमों में हुआ बदलाव

चंडीगढ़ः हरियाणा में मकान बनाने से लेकर ऊंची कमर्शियल बिल्डिंग खड़ी करने तक की प्रक्रिया अब पहले जैसी थकाऊ नहीं रहेगी। हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 में किए गए बड़े बदलावों के बाद अब घर, दुकान, होटल, मॉल और फैक्टरी बनाने वालों को न तो महीनों सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ेंगे और न ही निरीक्षण की लंबी प्रक्रिया से गुजरना होगा। सरकार ने अब पूरे सिस्टम को आसान करते हुए दो श्रेणियों में बांटा है - कम जोखिम और उच्च जोखिम वाली बिल्डिंग। कम जोखिम वाले घरों और दुकानों का आक्युपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) अब आर्किटेक्ट खुद जारी कर सकेगा, जबकि बड़े प्रोजेक्ट का प्रमाणन थर्ड पार्टी तकनीकी विशेषज्ञ देंगे। इसके साथ ही, एफएआर बढ़ाया गया है। सुरक्षा नियम अपडेट हुए हैं और पहली बार गरीब वर्ग के मकानों में बाथरूम और टॉयलेट का न्यूनतम आकार तय कर दिया गया है। यहां बता दें कि लंबे समय से आम नागरिक, डेवलपर्स और उद्योगपति शिकायत कर रहे थे कि कि बिल्डिंग परमिशन और ओसी लेने में महीनों लग जाते हैं। निरीक्षण प्रक्रिया धीमी और अपारदर्शी है। नियम अस्पष्ट हैं और हर अधिकारी अलग व्याख्या करता है। छोटे उद्योग और मकान निर्माण के मामले में सिस्टम जरूरत से ज्यादा जटिल है। सरकार ने माना कि इस प्रक्रिया में सुधार जरूरी है और अब संशोधन लागू कर दिए गए हैं। अब कौन सी बिल्डिंग कैसे मंजूर होगी नई प्रणाली में अब बिल्डिंग्स

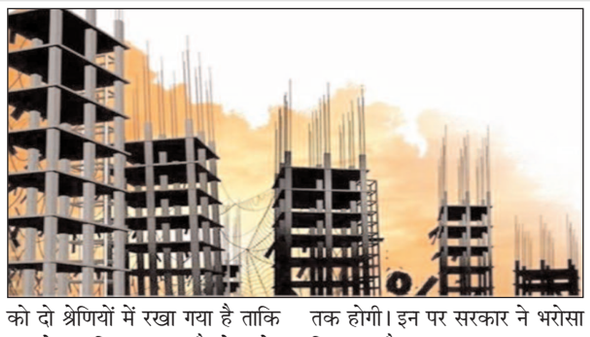

को दो श्रेणियों में रखा गया है ताकि अनुमोदन प्रक्रिया सरल और तेज हो। पहली श्रेणी में कम जोखिम वाली बिल्डिंग्स में छोटे और बड़े प्लॉटों पर बने आम मकान (16.5 मीटर तक ऊंचाई), दुकानें एचसीएफ, एससीओ व डीएसएस शामिल होंगे। वहीं वे उद्योग भी इसी कैटेगरी में रहेंगे, जिनकी बिल्डिंग की ऊंचाई 30 मीटर तक होगी। इन पर सरकार ने भरोसा दिखाया है। अब इनका प्रमाणन आर्किटेक्ट द्वारा सेल्फ सर्टिफिकेटेशन मोड में किया जाएगा। वहीं दूसरी दूसरी श्रेणी में उच्च जोखिम वाली बिल्डिंग शामिल रहेंगी। इनमें मल्टीप्लेक्स, ऊंची आवासीय इमारतें, डेटा सेंटर, बड़े कमर्शियल कॉम्प्लेक्स तथा होटल और रिसॉर्ट शामिल हैं। इनका प्रमाणन अब सरकारी अधिकारी नहीं बल्कि थर्ड पार्टी एम्पेनल्ड इंजीनियर/आर्किटेक्ट करेंगे। सरकार केवल मॉनिटर करेगी।बाथरूम और टॉयलेट की जगह तय नायब सरकार ने पहली बार राज्य ने ईडब्ल्यूएस यानी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के घरों के लिए स्पष्ट नियम तय किए हैं। अब इन घरों में अलग टॉयलेट 0.90 वर्गमीटर से छोटा नहीं होगा। बाथरूम कम से कम 1.20 वर्गमीटर का होगा। यदि दोनों एक साथ हैं तो वह 1.80 वर्गमीटर से छोटा नहीं बनाया जा सकेगा एफएआर यानी फ्लोर एरिया रेसो में भी सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। इसी से तय होता है कि किसी जमीन के प्लॉट पर कितनी मंजिलें या कितना निर्माण किया जा सकता है। पहले एफएआर सीमित था और बढ़ाने की गुंजाइश कम रहती थी। अब संशोधनों के बाद उद्योगों को 150 प्रतिशत से अधिक एफएआर खरीदने की सुविधा मिलेगी। डेटा सेंटरों के लिए एफएआर 500 प्रतिशत तक उपलब्ध होगा। वहीं कमर्शियल और हॉस्पिटेलिटी सेक्टर के लिए एफएआर की सीमा बढ़ाई गई है। इससे उद्योगों, मॉल, होटल और डेटासेंटर जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निर्माण और निवेश की संभावना बढ़ेगी। होटल, रिसॉर्ट और बैंक्वेट हॉल्स को राहत हॉस्पिटेलिटी सेक्टर को बड़ा फायदा होगा। पहले निर्माण सीमित था और एफएआर कम मिलता था। अब नये नियम लागू होने से रिसॉर्ट, होटल और मोटल अधिक एफएआर खरीद सकेंगे। ऊंचाई और कवरेज सीमा में ढील दी गई है।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा में खुलेगा नौकरी का पिटारा ! मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनेगा ये शहर

हरियाणाः हरियाणा के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को ध्यान में रखते हुए सरकार कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है. इसी कड़ी में सरकार हरियाणा के एक जिले में मॉडर्न और डायनामिक ट्रांसपोर्ट हब बना रही है, जिससे न सिर्फ शहर के आने-जाने वालों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि दिल्ली-ठउफ और आस-पास के राज्यों से आसान कनेक्टिविटी भी मिलेगी। इस जिलें में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब में बस अड्डा, मैट्रो और रैपिड रेल (RRTS) की सेवाएं एक ही परिधि में मिलेंगी. इससे यात्रियों को अलग-अलग स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. नए बस अड्डे के लिए जाट जोशी गांव में 9.43 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। यहां आधुनिक बस स्टैंड, वर्कशॉप, पार्किंग, रैन बसेरा, वेटिंग हॉल और अन्य यात्री सुविधाओं के निर्माण के लिए पैमाइश और निशानदेही का काम शुरू हो चुका है। यह बस अड्डा न सिर्फ बस संचालन का केंद्र होगा, बल्कि यात्रियों को आरामदायक माहौल और बेहतर सेवाएं भी प्रदान करेगा। जाट जोशी से लगभग 300 मीटर की दूरी पर सेक्टर-7 मोड़ के पास रैपिड रेल (RRTS) स्टेशन प्रस्तावित है. इसके साथ ही दिल्ली मैट्रो के फेज-5 के तहत बैलो लाइन का विस्तार नाथूपुर, कुंडली होते हुए सेक्टर-7 तक करने की योजना पर भी काम आगे बढ़ रहा है। इस विस्तार में करीब 26.5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर और 21 नए स्टेशन शामिल होंगे। अनुमान है कि इस रूट से प्रतिदिन लगभग 50,000 यात्री सफर कर सकेंगे। इन तीनों सेवाओं बस, मैट्रो और रैपिड रेल के एक ही क्षेत्र में उपलब्ध होने से न केवल ये जिला,बल्कि इसके आसपास के इलाकों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। दिल्ली और एनसीआर की ओर आने-जाने वाले यात्रियों का समय बचेगा और कई बार परिवहन के साधन बदलने की समस्या भी समाप्त होगी। सोनीपत में कनेक्टिविटी बढ़ने से निवेश, रियल एस्टेट, रोजगार और विकास के नए अवसर खुलेंगे. केएमपी, केजीपी और यूईआर-2 जैसे प्रमुख मार्गों के साथ मैट्रो और रैपिड रेल नेटवर्क के जुड़ने से यह क्षेत्र तेजी से एक नियोजित और उभरते शहर के रूप में विकसित हो रहा है।निवेशकों और रियल एस्टेट कंपनियों की रुचि भी पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है।नई परिवहन सुविधाएं लागू होने के बाद सोनीपत न केवल दिल्ली का उपनगर रहेगा, बल्कि एक विकसित, सुविधायुक्त और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार आधुनिक शहर के रूप में उभरेगा। ये परियोजनाएं हरियाणा के सोनीपत जिले को चीन और जापान की तरह एक आधुनिक मल्टी-मॉडल परिवहन केंद्र में बदल देंगी, जिससे रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

दरिंदगीः सगे भाइयों ने लूटी अस्मत, हरियाणा की युवती के साथ पंजाब में सामूहिक दुष्कर्म

हरियाणा : पंजाब के लुधियाना में हरियाणा की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घिनौनी वारदात हुई है। लुधियाना के शिमलापुरी के बसंत एवेन्यू सतजोत नगर इलाके में दो भाइयों सहित तीन युवकों ने युवती को घर बुलाया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इतना ही नहीं आरोपियों ने युवती के साथ मारपीट की और उसे धमकियां दी कि अगर वह किसी को इसके बारे में बताएगी तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक वह आरोपियों को पहले से किसी के जरिए जानती थी। आरोपियों ने उसे घर मिलने के लिए बुलाया। वहां आरोपियों ने उसके साथ मारपीट

की और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपियों ने उसे धमकियां दी और वहां से मारपीट कर भगा दिया। इसके बाद डरी सहमी युवती हरियाणा के फरीदाबाद अपने परिवार वालों के पास चली गई। वहां उसने यह सारी जानकारी परिवार को दी। पीड़िता के परिवार वालों ने हरियाणा पुलिस से संपर्क किया। फरीदाबाद पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तरनपाल सिंह मोंगा, उसके भाई दविंदरपाल सिंह मोंगा और गुरकरण सिंह के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज कर लुधियाना पुलिस को भेज दी। कमिश्नरेट के थाना शिमलापुरी पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया। हालांकि यह वारदात सितंबर महीने की बताई जा रही है।
पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।जांच अधिकारी सलविंदर पाल सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता की मेडिकल जांच करवाई जाएगी। जल्द ही आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हरियाणा के इस निर्दलिय विधायक पर नायब सरकार मेहरबान,1 साल में 314 कामों की डिमांड, 60 प्रतिशत पूरी की

बहादुरगढ़ : हरियाणा की नायब सरकार बहादुरगढ़ के निर्दलीय विधायक पर खूब मेहरबान है। निर्दलीय विधायक राजेश जून मुख्यमंत्री के सामने जो भी डिमांड रखते हैं वो हर डिमांड लगभग पूरी हो चुकी है। एक साल में विधायक राजेश जून ने सरकार के सामने अलग अलग विभागों के 314 कामों की डिमांड रखी थी जिसमें से 60 प्रतिशत से ज्यादा मांगे पूरी हो चुकी है। उन पर काम करने के लिए करीबन 400 करोड़ रूप्ए भी मंजूर हो गए है। एक साल के कार्यकाल पर चर्चा करते हुए विधायक राजेश जून ने बताया कि उन्होंने हल्के के हर गांव को 60 लाख से लेकर डेढ़ करोड़ रूप्ए तक विकास कार्यों के लिए दिलवाए हैं। उन्होंने कहा कि ये आवंटन गांव की जनसंख्या के आधार पर है किसी में कम तो किसी में ज्यादा लेकिन कम से कम 60 लाख हर गांव को मिल चुके हैं। राजेश जून ने बताया कि बहादुरगढ़ शहर के सैक्टरों की सड़कों के निर्माण के लिए 18 करोड़ रूप्ए।सीसीटीवी कैमरों के लिए 12 करोड़ और पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए नहरी क्षमता विकास के लिए भी 14 करोड़ रूप्ए मंजूर हो चुके हैं। राजेश जून का कहना है कि पैसा आ चुका है और जल्द ही सारे काम भी शुरू हो जाएंगे। उन्होंनें कहा कि बहादुरगढ़ हल्के का नसीब अच्छा है जो उन्हे विधायक बनाया है और एक निर्दलीय विधायक चुने हुए विधायकों से ज्यादा काम अपने हल्के में करके दिखाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का उनपर पूरा भरोसा और आर्शिवाद है। राजेश जून ने शहर के छोटूराम नगर में गलियों के निर्माण कार्य की शुरूवात भी करवाई है जहां पहुंचने पर लोगों ने उनका जोरदार स्वागत भी किया।

हरियाणा में भीषण सड़क हादसा, ड्राइवर की मौत...कंडक्टर गंभीर रूप से घायल

इंद्री : यमुनानगर से कोर्सेट से भरा ट्राला सोनीपत की ओर जा रहा था जैसे ही इंद्री के गांव धूमसी के पास बड़ा हादसा हो गया। सामने से आ रही गाड़ी को बचाने के प्रयास में ट्राला अचानक अनियंत्रित होकर गन्ने के खेत में पलट गया। हादसे

में ट्राला चालक (35 वर्षीय भोपाल, निवासी सोनीपत) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों ने ट्राला चालक को मृत घोषित कर दिया, वहीं कंडक्टर की गंभीर हालत को देखते हुए उसे करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए संजय कुमार प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्राला यमुनानगर से कोर्सेट लोड करके सोनीपत जा रहा था। धूमसी के पास अचानक सामने से आ रही गाड़ी को बचाने में ट्राला अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

बेसहारा पशु को बचाने के प्रयास में डिवाइडर पर चढ़ गया डंपर , चालक ने कूदकर बचाई अपनी जान

टोहाना : टोहाना के नेशनल हाईवे 148 बी पर देर रात्रि एक डंपर बेसहारा पशु को बचाने के प्रयास में डिवाइडर पर चढ़ गया। इस हादसे में डंपर को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना चंडीगढ़ रोड स्थित हर्बल पार्क के सामने हुई। ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज करमचंद के नेतृत्व में मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए वाहनों को साइड से निकाला। झज्जर निवासी डंपर चालक रघुवीर ने बताया कि वह पंजाब के तलवंडी से फ्लाई ऐश (राखी) लेकर राजस्थान जा रहा

था। रघुवीर के अनुसार, देर रात्रि अचानक एक बेसहारा पशु डंपर के आगे आ गया। उसे बचाने की कोशिश में डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। चालक ने यह भी बताया कि सड़क पर साइन बोर्ड न होने के कारण गाड़ी फुटपाथ पर चढ़ गई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ। डंपर में 38 टन राख भरी थी, जिसे आगे ले जाना था। अब इस सामान को दूसरे वाहन की सहायता से गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा।रघुवीर ने बताया कि हादसे के बाद देर रात्रि एक अज्ञात व्यक्ति उसके मालिक से फोन पर बात करने का बहाना बनाकर उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गया।

16 साल बाद सुलझी मर्डर की गुत्थी, आरोपी ने बताया इस वजह से की थी हत्या

अंबाला : अंबाला पुलिस ने 16 साल बाद थाना साहा में दर्ज मर्डर की गुत्थी को सुलझाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। दरअसल साल 2009 में थाना साहा में एक मुकदमा दर्ज हुआ था जिसमें फैक्ट्री में काम कर रहे एक लेबर की हत्या कर दी गई थी और अब 16 साल बाद ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत अंबाला की सीआईए 2 ने आरोपी राम रखा को गिरफ्तार किया है। जो सीतामढ़ी बिहार का रहने वाला था। आरोपी पर पुलिस ने 10000 का इनाम भी घोषित किया था। जानकारी देते हुए डीएसपी वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि थाना साहा में 16 साल पहले केस दर्ज करवाया गया था। मर्डर केस में मोस्ट वांटेड 10000 के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसने बताया कि मृतक उसकी भाभी पर बुरी नजर रखता था। इसलिए उसने मृतक को मौत के घाट उतार दिया था। इस मर्डर में आरोपी राम रखा का भाई भी शामिल था, लेकिन साल 2009 में ही उसकी मौत हो गई थी। उसके बाद से आरोपी राम रखा फरार चल रहा था जिसको गिरफ्तार कर लिया गया।

आगरी ही नहीं, हरियाणा के इस जिले मे भी है एक ताजमहल... इसका इतिहास जान रह जाएंगे दंग

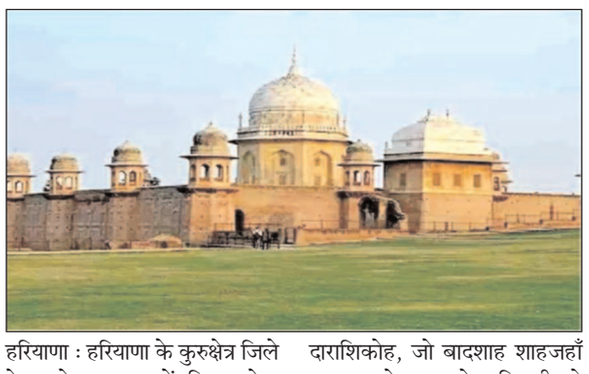

हरियाणा : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के थानेसर शहर में स्थित शेख चिल्ली का मकबरा एक प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल है। इसकी बनावट और स्थापत्य कला इतनी सुंदर है कि इसे अक्सर "हरियाणा का ताजमहल" कहा जाता है। मकबरे के निर्माण में प्रयुक्त पत्थर और स्थापत्य शैली आगरा के ताजमहल से मिलती-जुलती मानी जाती है। इस मकबरे का निर्माण मुगल राजकुमार दाराशिकोह ने प्रसिद्ध सूफी संत शेख चिल्ली की याद में करवाया था। इसका निर्माण कार्य लगभग 1650 ई. के आसपास पूरा हुआ। दाराशिकोह, जो बादशाह शाहजहाँ का बड़ा बेटा था, शेख चिल्ली को अपना आध्यात्मिक गुरु मानता था। यह मकबरा उसकी श्रद्धा और सूफी परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। मकबरा हर्ष के टीले के पूर्वी किनारे पर स्थित है, जो स्वयं एक प्राचीन ऐतिहासिक स्थल रहा है। इतिहासकारों के अनुसार, शेख चिल्ली मूल रूप से ईरान से आए थे और भारत आकर उन्होंने कुरुक्षेत्र में जलालुद्दीन साहब साबरी से भेंट की। जलालुद्दीन की आध्यात्मिक प्रसिद्धि से प्रभावित होकर शेख चिल्ली ने यहीं रहना प्रारंभ कर दिया और यहीं उनका जीवन भी समाप्त हुआ। उनकी मृत्यु के बाद, उनके शिष्य ने उनकी याद में इस भव्य मकबरे का निर्माण करवाया। समय के साथ यह ऐतिहासिक स्थल गुमनामी की ओर बढ़ने लगा, लेकिन बाद में इसे भारतीय पुरातत्व विभाग (अरक) द्वारा संरक्षित किया गया। विभाग ने इसकी मरम्मत और संरक्षण का कार्य कर इसे दोबारा जीवित किया। आज यह न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि इतिहासकारों और शोधकताओं के लिए भी अध्ययन का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है।शेख चिल्ली का मकबरा हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसकी अद्वितीय मुगल शैली की वास्तुकला, सुंदर नक़्क़ाशी, और धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व इसे एक अनमोल ऐतिहासिक धरोहर बनाते हैं। घूमने की सलाह स्थानः थानेसर, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) प्रसिद्धिः मुगल स्थापत्य, सूफी विरासत, पुरातत्वीय महत्व खुलने का समयः सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक प्रवेशः पुरातत्व विभाग के दिशा-निदेर्शों के अनुसार

पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाई हत्या की गुत्थी, मर्डर के पीछे की सामने आई ये वजह

गोहाना : गोहाना में खेत की रखवाली करने के लिए गए युवक की हत्या मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पैसों के लेनदेन के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। जहां आरोपी ने युवक को पहले शराब पिलाई और उसके बाद पैसों के लेनदेन में कहासुनी के बाद हत्या कर दी। वहीं परिजनों ने गांव के कई लोगों पर आरोप लगाए थे। गौरतलब है गोहाना के राणाखेड़ी के रहने जिले सिंह ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि उसका 23 वर्षीय सबसे छोटा बेटा प्रदीप 8 दिसंबर की रात करीब 9 बजे बरसीम खेत की रखवाली करने गया था। जब देर रात तक वह घर नहीं लौटा तो पिता जिले सिंह व बड़ा भाई सत्यवान उसे देखने खेत पर पहुंचे। खेत के साथ लगते रास्ते में प्रदीप मृत अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों के अनुसार प्रदीप की गर्दन और बाएं हाथ के अंगूठे पर साफ चोट के निशान थे, जिससे हत्या का शक गहरा गया। वहीं पुलिस की जांच में सामने आया है कि प्रदीप की गांव के ही राजेश के साथ उठ-बैठ थी और सोमवार की रात को प्रदीप और राजेश ने बैठकर शराब पी थी। उसके बाद दोनों के बीच पैसे के लेन-देन के चलते कहासुनी हुई। उसके बाद राजेश ने प्रदीप की हत्या कर दी और उसके बाद उसे खेतों में रास्ते पर डाल फरार हो गया। मामले की जांच कर रहे हैं गोहाना के एसीपी राहुल देव ने बताया की मृतक प्रदीप और आरोपी राजेश का 20000 रुपए का लेनदेन था और इसी लेनदेन के चलते दो दिन पहले दोनों ने शराब पी और दोनों की पैसे मांगने को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी बात को लेकर राजेश ने प्रदीप की गलत दबाकर हत्या कर दी और अपनी रिक्शा से शव को डालकर उनके खेतों के पास डालकर फरार हो गया पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर ही आरोपीय गिरफ्तार कर लिया जिसे आज आधार में पेश करें डिमांड पर लिया जाएगा।

यमुनानगर में शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म और फिर किया प्रेग्नेंट

यमुनानगर : यमुनानगर में महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। सावेज पर आरोप है कि उसने 3 महीने में यमुनानगर के अलग-अलग होटल में जाकर महिला से दुष्कर्म किया। इस पूरे प्रकरण में पीड़िता की पड़ोसी सोनिया का बड़ा हाथ है। हमीदा पुलिस चौकी इंचार्ज शमशेर राणा ने बताया कि 4 दिसंबर को हमारे पास शिकायत आई थी कि सावेज नाम के युवक ने 3 महीने तक महिला से दुष्कर्म किया। इसके बाद हमने एक महिला पुलिसकर्मी को टीम में शामिल कर टीम का गठन किया। जांच में सामने आया कि सावेज की पत्नी को बच्चे नहीं होते है तो पीड़िता की पड़ोसी सोनिया ने सावेज और महिला की बात कराई। 3 महीने तक आरोपी महिला को जिले के अलग-अलग होटल में जाकर दुष्कर्म करता रहा, जब वह दो महीने की प्रेग्नेंट हुई तो उसने महिला से शादी करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़िता का पति एनडीपीएस एक्ट मामले में चार महीने से जेल में बंद है। पुलिस ने आरोपी के साथ सोनिया को भी गिरफ्तार कर लिया है सोनिया के पास एक छोटा बच्चा भी है।

हरियाणा के इन युवाओं को मिलेंगे नए अवसर, ब्रिटेन के विश्वविद्यालय हरियाणा में करने जा रहे हैं ये काम

हरियाणा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मंगलवार को उनके निवास स्थान पर ब्रिटिश दूतावास की डिप्टी हाई कमिश्नर अलबा स्मेरिग्लियो ने भेंट की। इस दौरान ब्रिटेन के शीर्ष विश्वविद्यालयों द्वारा हरियाणा में कैंपस खोलने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा, उच्च कौशल और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। इस यात्रा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।
हरियाणा सरकार इस लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हरियाणा को वैश्विक शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस हरियाणा में स्थापित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।
ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों का हरियाणा में आना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

शैक्षणिक पहचान को एक नई दिशा देगा। इस अवसर पर सुश्री अलबा स्मेरिग्लियो ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा की जा रही पहलों की सराहना की और भविष्य में विभिन्न परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में ब्रिटेन में स्किल्ड लेबर की मांग और हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार और करियर की संभावनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस दिशा में दोनों पक्षों ने समन्वय बढ़ाने और युवाओं के प्रशिक्षण एवं चयन हेतु संयुक्त पहल करने पर सहमति जताई। इसके अलावा ऑटोमोबाइल सेक्टर, एविएशन, कृषि और रक्षा उपकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे विराट, रोहित शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा हो गया है। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा जहां नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारत के ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आ गये हैं। हाल में इन दोनो ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका लाभ इन्हें मिला है। जिससे रोहित अपनी जगह पर बने हुए हैं जबकि विराट ऊपर आये हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान ही अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। वह नंबर एक पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों में 57, 14, और 75 की पारी से रोहित का नंबर एक स्थान बना रहा। वहीं विराट ने ताजा रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरी रैंक हासिल की है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 135, 102, और 65 रन बनाये। इन तीन पारियों की सहायता से रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं।

भारतीय टीम के एकदिवसीय प्रारुप के कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे, आयरलैंड के हैरी टैक्टर सातवें, वेस्टइंडीज के शाई होप आठवें, श्रीलंका के चरिथ असलांका नौवें और भारत के श्रेयस अय्यर दसवें स्थान पर हैं। फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं केएल राहुल ने भी दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी और इससे उन्हें दो स्थान का लाभ हुआ है। वह 12वें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 3 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर आ गये हैं।

द हंड्रेड में नजर आएंगे दिनेश कार्तिक, लंदन स्पिरिट ने दी बड़ी जिम्मेदारी

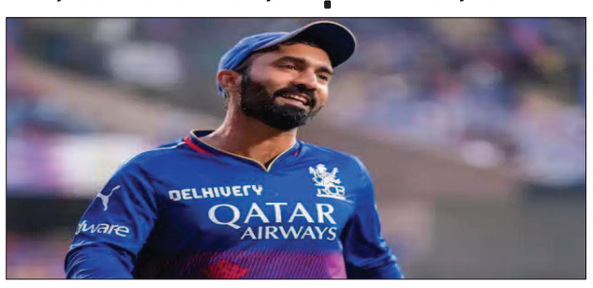

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक, जो मौजूदा IPL चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के मेंटर भी हैं, को द हंड्रेड फ्रेंचाइजी लंदन स्पिरिट का मेंटर और बैटिंग कोच बनाया गया है। द हंड्रेड के लिए किसी फ्रेंचाइजी में अपनी पहली भूमिका में कार्तिक की विशेषज्ञता इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में 250 से ज़्यादा मैचों में भाग लेने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 180 इंटरनेशनल मैचों से आती है।

लंदन स्पिरिट के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने एक बयान में कहा, 'लंदन स्पिरिट में DK का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह हमारे खेल में सचमुच एक अलग सोच रखने वाले व्यक्ति हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारे लिए बहुत कीमती होगा। उनके साथ काम करना भी बहुत मजेदार है और वह जो कुछ भी करते हैं उसमें एक जबरदस्त एनर्जी और उत्साह लाते हैं।' बोबट ने कहा, 'खेल में अहमियत रखने वाले एक और एलीट इंसान को साइन करना हमारे एम्बिशन और इस बात को दिखाता है कि हम अपने प्लेयर्स को सबसे अच्छा सपोर्ट देने को कितना महत्व देते हैं।'

इस बीच कार्तिक ने नया रोल लेने पर कहा, 'लंदन स्पिरिट में शामिल होने का यह कितना रोमांचक समय है! जब मैंने Mo, MCC और टेक टाइटन्स के प्लान्स और एम्बिशन्स के बारे में सुना, तो मैं सच में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित था। लॉर्ड्स में काम करते हुए इंग्लिश समर बिताना सच में एक सपने के सच होने जैसा है। यह वह ग्राउंड है जहां मैंने भारत के लिए डेब्यू किया था और अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था, लॉर्ड्स मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं अगले साल स्क्वाड को एक साथ आते देखने और कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ काम करने का इंतजार नहीं कर सकता।' कार्तिक के लिए नया रोल काफी आसान होगा जिन्होंने IPL में RCB में बोबट और स्पिरिट के हेड कोच एंडी फ्लावर दोनों के साथ मिलकर काम किया है।

पाकिस्तान में भी छाये हैं अभिषेक, सबसे अधिक सर्च किये गये

लाहौर। भारतीय टीम के युवा आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण पड़ौसी देश पाकिस्तान में भी छाये हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाकिस्तान में 2025 में सबसे ज्यादा जिस खिलाड़ी को लोगों ने इंटरनेट पर सर्च किया है। वह बाबर आजम, शहीन अफरीदीद या हारिस रऊफ नहीं बल्कि अभिषेक हैं। यहां तक कि भारत के ही विराट कोहली और रोहित शर्मा भी अभिषेक से पीछे रहे गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को भारत से भी अधिक पाक में सर्च किया गया।

इसका कारण एशिया कप को माना जा रहा है जिसमें अभिषेक ने सेमीफाइनल तक विस्फोटक पारियां खेली थीं। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम ने पाक को हराया था। एशिया कप में अभिषेक ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी। पाकिस्तान के खिलाफ लीग मुकाबलों में भी उन्होंने जमकर रन बनाये थे हालांकि फाइनल में वह शुरुआत में ही आउट हो गये थे। हैरानी की बात ये है कि सर्च किये गये शीर्ष दस खिलाड़ियों को बाबर और शाहीन का नाम नहीं है।

पाकिस्तान में 2025 में सबसे ज्यादा सर्च किए गए खिलाड़ियों की शीर्ष 10 की लिस्ट में बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे खिलाड़ी जगह नहीं पा सके हैं।पाक में सबसे अधिक सर्च किये गये दूसरे खिलाड़ी हसन नवाज, तीसरे इरफान खान व चौथे साहिबजादा फरहान और पांचवें मुहम्मद अब्बास हैं। पाकिस्तान में सफलता के साथ-साथ भारत में भी अभिषेक ने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी सबसे ज्यादा सर्च हुए। भारत की टॉप-10 सूची में ज्यादातर क्रिकेटर शामिल थे, जिसमें महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अपनी जगह बनाई।

क्रिकेट जगत से आई बड़ी खबर: टीम चयन को लेकर नाराज 3 क्रिकेटरों ने कोच पर किया हिंसक हमला : सिर पर 20 टांके, कंधा टूटा

मुम्बई (एजेंसी)। पांडिचेरी क्रिकेट एसोसिएशन (CAP) इन दिनों विवादों की भेंट चढ़ा हुआ है। भ्रष्टाचार और खेल के अवसरों में अनियमितताओं की खबरों के बीच सोमवार को अंडर-19 टीम के हेड कोच एस. वेंकटरमन पर शॉकिंग हमला हुआ। जानकारी के अनुसार, तीन स्थानीय खिलाड़ी–सीनियर कार्तिकेयन जयसुंदरम, फर्स्ट-क्लास खिलाड़ी ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन–टीम चयन को लेकर नाराज थे और इसी गुस्से में कोच पर हमलावर हो गए।

सुबह करीब 11 बजे CAP की ट्रेनिंग फैसिलिटी में वेंकटरमन पर हमला किया गया। कोच ने बताया कि उन्हें नेट्स के पास घेर लिया गया और उनके सिर और कंधे पर हमला किया गया। सिर में गहरी चोट के कारण उन्हें 20 टांके लगाने पड़े और कंधे में फ्रैक्चर भी आया। पुलिस ने तुरंत FIR दर्ज कर आरोपी खिलाड़ियों की तलाश शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर एस. राजेश के अनुसार, कोच की हालत स्थिर है और फरार खिलाड़ियों को ट्रैक किया जा रहा है।

वेंकटरमन ने आरोप लगाया कि खिलाड़ियों ने उन्हें पकड़कर हमला किया और भारतीदासन पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम के सेक्रेटरी जी. चंद्रन ने उन्हें भड़काया। उनका दावा है कि खिलाड़ियों ने उनसे मारपीट करने का कारण बताया कि उन्हें टीम में मौका तभी मिलेगा जब वे कोच को चोट पहुंचाएंगे। भारतीदासन पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम ने कोच के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वेंकटरमन ने अक्सर खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार किया। फोरम के अध्यक्ष सेंथिल कुमारन ने कहा कि CAP में पिछले वर्षों में कई बार मुद्दों को BCCI के सामने उठाया गया है।

यह हमला इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के एक दिन बाद आया जिसमें CAP में खिलाड़ियों के चयन में गड़बड़ी और बाहरी खिलाड़ियों को स्थानीय दिखाने की शिकायतें सामने आईं। 2021 के बाद केवल पांच स्थानीय खिलाड़ियों ने रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड इस मामले की गंभीरता से जांच करेगा। CAP के CEO राजू मेथा ने हालांकि दावा किया कि सभी नियमों का पालन किया गया है और भ्रष्टाचार के लिए जीरो टॉलरेंस नीति है।

बीसीसीआई ने मिनी नीलामी के लिए 9 खिलाड़ियों के नाम जोड़े, कुल 359 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीसी) ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली मिनी नीलामी के लिए जारी 350 खिलाड़ियों की सूची में 9 खिलाड़ियों को और शामिल किया है। इस प्रकार खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर अब 359 हो गयी है। सूची में जोड़े गये नामों में विराट कोहली के करीबी स्वस्तिक चिकारा शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने रिलीज किया थ। वहीं एसोसिएट देश (मलेशिया) के विरनदीप सिंह को भी सूची में शामिल किया गया हैं। बचे हुए सात खिलाड़ी हैं त्रिपुरा के ऑलराउंडर मणिशंकर मुरासिंघ, चामा मिलिंद (हैदराबाद), के.एल. श्रीजित (कर्नाटक), इथन बॉश (दक्षिण अफ्रीका), क्रिस ग्रीन (ऑस्ट्रेलिया), राहुल राज नमाला (उत्तराखंड) और विराट सिंह (झारखंड). अंतिम नीलामी सूची में शामिल 359 खिलाड़ियों मे 247 भारतीय और 112 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें से केवल 77 खिलाड़ियों को ही नया आईपीएल अनुबंध मिलेगा, इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे अधिक 64.30 करोड़ रुपये, और उनके उसे 13 स्लॉट भरने हैं। हीं चेन्नई सुपर किंग्स का नंबर है के पास 43.4 करोड़ रुपये हैं और उसे नौ स्लॉट भरने हैं।

आईपीएल नीलामी में इस बार पृथ्वी, सरफराज के नाम भी शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 16 दिसंबर को अबुधाबी में होने वाली नीलामी में कुल 350 क्रिकेटरों की बोली लगेगी, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार नीलामी में नहीं बिके बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को भी इसमें शामिल किया गया है।

इसके अलावा बल्लेबाज सरफराज खान को भी इसमें जगह मिली है। इन दोनों का ही बेस प्राइज 75 लाख रुपये है। शॉ ने 2018 से 2024 तक आईपीएल खेला था पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें पिछली बार किसी टीम ने नहीं खरीदा था। वहीं सरफराज को साल 2021 के बाद से ही निलामी सूची में शामिल नहीं किय गया था। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज किए गए ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को भी नीलामी में जगह मिली है। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले कुणाल चंदेला और अशोक कुमार भी नीलामी की अंतिम सूची में शामिल हैं। नीलामी सूची में

दो करोड़ बेस प्राइज में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैमरन ग्रीन और जेक फ्रेजर मैकगर्क के अलावा न्यूजीलैंड और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर है।

आकाश चोपड़ा ने दी गंभीर को सलाह, सबसे लड़ाई न करें

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूरे जुनून से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, इसलिए कुछ मैचों में टीम की असफलता के कारण उनपर सवाल उठाने ठीक नहीं हैं। वहीं चोपड़ा ने गंभीर से भी कहा कि वह आलोचआओं को सकारात्मक लें और उनपर कठोर प्रतिक्रिया न दे। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि कोच के तौर पर उनके अब तक के कार्यकाल में जरुरत से ज्यादा विवाद पैदा हुए हैं। ऐसे में मेरी सलाह है कि वह इतनी ज्यादा लड़ाइयां न मौल लें। हाल ही में गंभीर ने अगल-अलग कप्तान बनाने की सलाह देने वाले आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स के मालिक पर नाम लिए बिना ही निशाना साधा था और कहा था कि उन्हें अपनी सीमा में ही रहना चाहिये। चोपड़ा ने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी कर गंभीर अपनी परेशानियां ही बढ़ा रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम पहले न्यूजीलैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के सभी मैच हारी थी जिसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर लोगों ने सवाल उठाने शुरु कर दिये थे। चोपड़ा ने इसी को लेकर एक वीडियो में कहा, 'जब वह मीडिया के सामने आते है तो कुछ भी छुपाते नहीं हैं। दिल खोलकर बोलते हैं पर मेरी एक सलाह उन्हें है कि वह आलोचना पर भड़के नहीं और न किसी से लड़ाई मौल लें। साथ ही कहा कि जब आप अपने काम को लेकर इतने जोशीले होते हैं और किसी व्यक्ति या चीज के पीछे पड़ जाते हैं, तो कई लोग आपके असफल होने का इंतजार करने लगते हैं। कई बार लगता है कि आप अपने कामकाज के तरीके से इस तरह की आलोचना के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'गंभीर बेहद उत्साही व्यक्ति हैं। वह हमेशा देश और टीम के लिए पूरी ताकत झौंकने के लिए तैयार रहते हैं। मेरा मानना है कि उन्हें किसी को खुश नहीं करना है। इसलिए वह लड़ाई न करते हुए अपना काम करते रहें।'

जूनियर महिला वर्ल्ड कप: आखिरी सेकंड में बराबरी, फिर शूटआउट में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारत ने आखिरी सेकंड में बराबरी करने के बाद उरुग्वे को स्नढ्ढा। हॉकी जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 के 9/12 क्लासिफिकेशन मैच में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत के लिए मनीषा ने (19वें) ने भारत के लिए गोल किया जिसके बाद जस्टिना अरेंगुई ने (60वें) मिनट सिर्फ दो सेकंड बाकी रहते पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जिससे सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में मैच शूटआउट में चला गया।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जल्दी दबाव बनाया और कई बार सर्कल में एंट्री की। हालांकि, उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे भुना नहीं पाये। भारत ने 18वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी-कॉर्नर वेरिएशन के साथ जवाब दिया, लेकिन साक्षी राणा का शॉट ब्लॉक हो गया।

अगले ही मिनट में मनीषा ने दूर से एक जोरदार गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारतीयों ने 11 सर्कर्ल पेनिट्रेशन किए, जबकि उरुग्वे ने डिफेंसिव शेल में गहरी पकड़ बना ली थी।

ब्रेक के बाद भी यही पैटर्न जारी रहा भारत ने हाई लाइन बनाए रखी और उरुग्वे को पीछे धकेल दिया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद वे बढ़त नहीं बना पाए। आखिरी क्वार्टर के 49वें मिनट में उरुग्वे ने आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन गोलकीपर निधि ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करके भारत की बढ़त बनाए रखी। उरुग्वे ने आखिरी मिनटों में अपने गोलकीपर को हटाकर एक एक्स्ट्रा आउटफील्ड प्लेयर को शामिल किया, और यह कदम बहुत फायदेमंद रहा। दो सेकंड बाकी रहते, उन्हें एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अरेगुंई ने शांति से गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

शूटआउट में भारत ने हिम्मत नहीं हारी। पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे को तीन बार गोल करने से रोका, जिससे 3-1 से जीत पक्की हो गई और भारत 9वें/10वें स्थान के प्लेऑफ में पहुंच गया। भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को अपने आखिरी क्लासिफिकेशन मैच में स्पेन से होगा।

लियोनेल मेस्सी को लगातार दूसरी बार चुने गए एमएलएस का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी को मेजर लीग सॉकर (MLS) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। MLS कप चैंपियन टीम के कप्तान मेस्सी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेस्सी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

सभी प्रारुपों की कप्तानी शुभमन को दी जाये : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को तीनों ही प्रारुपों में कप्तानी दी जानी चाहिये। गांगुली के अनुसार अभी शुभमन टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान हैं और भविष्य को देखते हुए उन्हें टी20 प्रारुप की भी कप्तानी दे देनी चाहिये। वहीं जहां कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने सभी प्रारुपों में अलग कप्तान बनाने को कहा है। वहीं गांगुली इससे सहमत नहीं हैं। गांगुली ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा 'मेरी नजर में शुभमन सभी प्रारुपों के लिए कप्तान होने चाहिए। वह पूरी तरह से कप्तानी संभालने में सक्षम है।' गांगुली ने इंग्लैंड दौरे का उदाहरण देते हुकहा, 'तीन महीने पहले इंग्लैंड में शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने के बाद भी एक युवा टीम की शानदार तरीके से कप्तानी कर सीरीज बराबरी पर समाप्त की थी। उस सीरीज में वह बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों में ही सफल रहे थे।' गांगुली ने कहा कि उस सीरीज में शुभमन ने 750 से ज्यादा रन बनाए और चार शतक लगाये। विदेशी जमीन पर दबाव के बाद भी ऐसा प्रदर्शन करना असान नहीं होता। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को केवल कुछ असफलताओं के कारण कम नहीं समझना चाहिए। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि नये कप्तानों को अपनी को साबित करने के लिए समय देना जरुरी है। प्रशंसकों और समीक्षकों को जल्दबाजी में किसी भी प्रकार के फैसले पर नहीं पहुंचना चाहिये। कप्तान के तौर पर उन्हें पर्याप्त समय और समर्थन देना चाहिए। उनपर भरोसा रखना होगा तभी वह एक बेहतर कप्तान के तौर पर निखर सकेंगे।' गांगुली की इस बयान से साफ है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 टीम भले ही अच्छा कर रही हो पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए भविश्य के लिए शुभमन को तैयार किये जाने की जरुरत है।

टी20आई : पावरप्ले में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा, अर्शदीप सिंह बड़े खिलाड़ी की बराबरी कर नम्बर 1 पर आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावरप्ले ओवर्स (1-6 ओवर) हमेशा से बल्लेबाजों का पसंदीदा समय माना जाता है, लेकिन भारत के तेज़ और स्पिन गेंदबाजों ने इस अवधि में लगातार विकेट लेकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही के आंकड़ों के मुताबिक, पावरप्ले में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज़ों की लिस्ट में अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। दोनों के नाम 47-47 विकेट दर्ज हैं। उनके पीछे जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज़ शामिल हैं, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में मैच का रुख पलटने में अहम भूमिका निभाई है। अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में भूवनेश्वर कुमार की बराबरी की है।

अर्शदीप सिंह ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड = 47 विकेट के साथ नंबर 1 पर

भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी20आई में पावरप्ले ओवर्स में सबसे ज़्यादा 47 विकेट लेकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। क्रिकेट जगत में अर्शदीप अपनी स्विंग, पेस वेरिएशन और शुरुआती ओवरों में घातक लाइन-लेंथ के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में अपनी पहचान बनाने वाले अर्शदीप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी साबित कर दिया है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक पावरप्ले स्पेशलिस्ट बन सकते हैं। उनके शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता भारत को मजबूत शुरुआत देती है और विपक्षी टीम पर दबाव डालती है।

भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की

अर्शदीप ने भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की है जिनके नाम भी पावरप्ले में 47 विकेट दर्ज हैं। भुवी अपनी शानदार स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ के लिए शुरू से ही ञ्20ढ्ढ क्रिकेट में सफल रहे हैं। भुवनेश्वर ने कई बड़े टूर्नामेंटों में पावरप्ले में अहम विकेट लेकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनकी स्विंग गेंदबाज़ी खासकर नई गेंद से बेहद प्रभावशाली रही है, जिसकी वजह से उन्हें लंबे समय तक भारत का सबसे भरोसेमंद पावरप्ले गेंदबाज़ माना गया।

जसप्रीत बुमराह - 33 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर

दुनिया के सबसे घातक गेंदबाज़ों में गिने जाने वाले जसप्रीत बुमराह पावरप्ले में 33 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह भले ही डेथ ओवर्स के राजा माने जाते हों, लेकिन शुरुआती ओवरों में भी वह उतने ही खतरनाक होते हैं। उनकी सटीक यॉर्कर, सीम मूवमेंट और अनोखी स्लोअर गेंदें बल्लेबाज़ों को भ्रमित करती हैं। बुमराह की मौजूदगी से भारत को हमेशा पावरप्ले में सफलता मिलने की उम्मीद रहती है।

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर - स्पिनर्स की अहम भूमिका

पावरप्ले में स्पिनरों का इस्तेमाल जोखिम भरा माना जाता है, लेकिन अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने इसे गलत साबित किया है। दोनों के नाम 21-21 विकेट दर्ज हैं। अक्षर पटेल अपनी एक जैसी लाइन-लेंथ और तेज़ गति वाली गेंदों से बल्लेबाज़ों को टिकने नहीं देते। वाशिंगटन सुंदर शुरुआती ओवरों में स्पिन डालकर बल्लेबाज़ों को चौंकाते हैं और कई बार बड़े विकेट दिलाते हैं। इन दोनों स्पिनरों ने भारत की पावरप्ले रणनीति को और मजबूत किया है।

टी20आई क्रिकेट में 1-6 ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

47 - अर्शदीप सिंह , 47 - भुवनेश्वर कुमार , 33 - जसप्रीत बुमराह , 21 - अक्षर पटेल , 21 - वाशिंगटन सुंदर

पीसीबी ने हैदर अली पर लगा प्रतिबंध हटाया, लगे थे बलात्कार के आरोप

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने बल्लेबाज हैदर अली पर लगा अस्थायी निलंबन हटा लिया है, जिन्होंने सितंबर में मैनचेस्टर में बलात्कार के आरोपों से बरी होने के बाद से किसी भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। PCB ने बुधवार को पुष्टि की कि अली उन नौ पाकिस्तानी खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया गया है। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'खिलाड़ियों को 23 जनवरी तक इस प्रतियोगिता में खेलने की अनुमति दे दी गई है।' पाकिस्तान के लिए 35 टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने वाले अली तब पाकिस्तान शाहीन टीम (पाकिस्तान ए) के साथ इंग्लैंड दौरे पर थे जब ब्रिटेन में जन्मी एक पाकिस्तानी महिला ने मैनचेस्टर शहर की पुलिस में उनके खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाया। PCB ने जांच के नतीजे आने तक अली को निलंबित कर दिया था। मैनचेस्टर पुलिस ने 25 सितंबर को यह मामला बंद कर दिया था। पुलिस ने कहा था कि उन्हें इस मामले को अदालत में भेजने या क्रिकेटर को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। PCB ने मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद, साहबजादा फरहान, फहीम अशरफ, हुसैन तलत, ख्वाजा नफे और एहसानाउल्लाह को भी बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए NOC जारी की है। पाकिस्तान की टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज उमर अकमल को हूबहू देने से इनकार कर दिया गया है। अकमल ने इस पर बोर्ड से स्पष्टीकरण मांगा है।

प्रियंका चोपड़ा ने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ़ की

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में वी द विमेन मंच से जाह्नवी कपूर का प्रभावशाली वीडियो शेयर कर उनके विचारों को खुलकर सराहा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस क्लिप को री-पोस्ट करते हुए प्रियंका ने लिखा, बातचीत से शुरुआत होती है, तो मैं भी शामिल होती हूँ। उन्होंने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ़ की। यह वीडियो बरखा दत्त के प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म वी द विमेन का है, जो देशभर की महिलाओं की आवाज़, उनकी पहचान, महत्वाकांक्षाओं और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए जाना जाता है। क्लिप में जाह्नवी कपूर बेहद साफ़गोई से स्त्रीत्व, समाज की अपेक्षाओं और समानता के असली मायनों पर बात करती दिखाई देती हैं। वह बताती हैं कि महिलाओं के अनुभवों को समझना और स्वीकारना कितना ज़रूरी है, बजाय इसके कि समानता को सिर्फ़ एक सतही अवधारणा तक सीमित कर दिया जाए। पीले रंग के आकर्षक आउटफ़िट में नज़र आ रहीं जाह्नवी के स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरे विचार दर्शकों के साथ गहराई से जुड़े और इन्हीं विचारों ने प्रियंका चोपड़ा को उन्हें अपने प्लेटफ़ॉर्म पर साझा करने के लिए प्रेरित किया।

रवि तेजा के साथ स्क्रीन शेयर कर सकती हैं सामंथा रुथ प्रभु

द क्षिण सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। खबरे हैं कि वह निर्देशक राज निदिमोरू के साथ रिश्ते में हैं। इस बीच अभिनेत्री की अगली फिल्म से जुड़ा अपडेट आया है। चर्चा है कि सामंथा पहली बार सुपरस्टार रवि तेजा के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगी। दोनों एक प्रोजेक्ट के लिए साथ में आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... सामंथा वर्तमान में रवि के साथ एक प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रही हैं। फिल्म का शीर्षक तय नहीं है, लेकिन इसका निर्देशन शिव निर्वाण कर सकते हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा तो पहला मौका होगा जब सामंथा और रवि को एक साथ फिल्मी परदे पर देखने का दर्शकों को मौका मिलेगा। अभी तो इस प्रोजेक्ट से संबंधित कोई भी आधिकारिक घोषणा सामंथा या रवि की ओर से नहीं की गई है। फिलहाल तो सामंथा रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम में व्यस्त चल रही हैं। यह नेटफ्लिक्स की आगामी वेब सीरीज है, जिसका निर्माण राज और डीके डी 2आर फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। इस सीरीज का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया है। सामंथा के अलावा, इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत नजर आएंगे। दूसरी तरफ, सुपरस्टार रवि अगली फिल्म मास जाथारा में नजर आएंगे इसमें उनके साथ अभिनेत्री श्रीलीला हैं।

मेघना गुलजार की 'दायरा' में पहली बार साथ दिखेंगे करीना और पृथ्वीराज सुकुमारन

निर्देशक मेघना गुलजार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है। इस बीच अब मेघना गुलजार ने फिल्म के फाइनल शेड्यूल की शूटिंग को लेकर अपडेट दिया है। इस फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।
मेघना गुलजार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने फिल्म के फाइनल शेड्यूल को लेकर जानकारी दी है। मेघना ने जो तस्वीर साझा की है वो किसी कार के अंदर की तस्वीर है। इसमें सीट पर बड़े-बड़े बैग रखे नजर आ रहे हैं। संभवत- इनमें शूटिंग उपकरण हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए मेघना ने कैप्शन में लिखा, 'फाइनल शेड्यूल। यहां हम चले।' इसके साथ हैशटैग में उन्होंने दायरा भी लिखा है।
मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियो ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म में करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स पहली बार एकसाथ किसी फिल्म में दिखाई देंगे। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

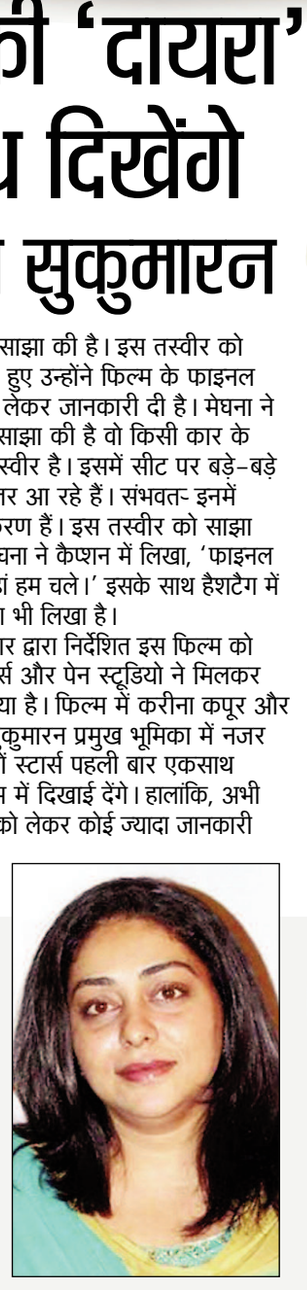

'राजी' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं मेघना

मेघना गुलजार की गिनती इंडस्ट्री के चुनिंदा निर्देशकों में होती है। वो इससे पहले 'राजी', 'छपाक' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुकी हैं। तीनों ही फिल्मों को क्रिटिक्स से जबरदस्त सराहना मिली है। वहीं 'छपाक' को छोड़कर बाकी दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही हैं। मेघना की आखिरी फिल्म 'सैम बहादुर' है, जिसमें विक्की कौशल प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है।

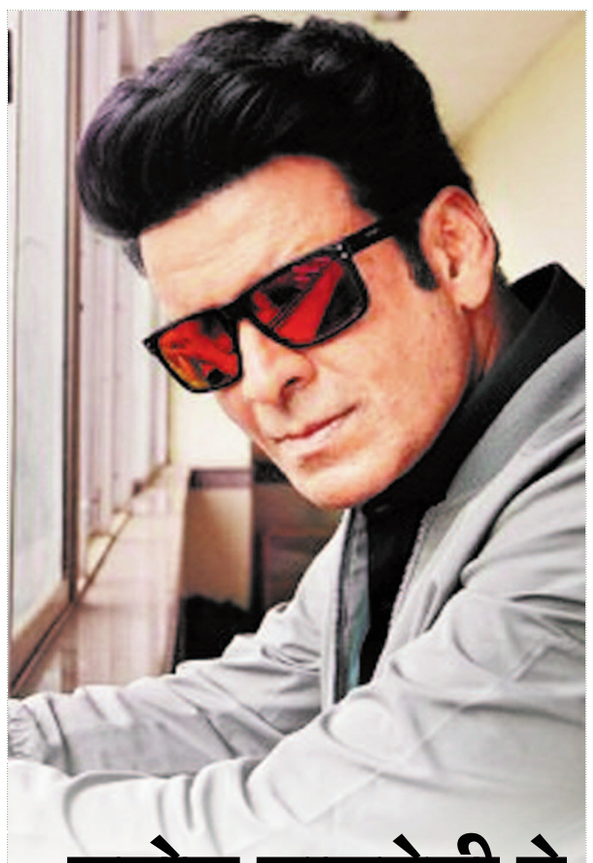

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड में एक्टर्स की इनसिक्योरिटी के बारे में बात की

एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों द फैमिली मैन सीजन 3 में अपने अभिनय के लिए तारीफें बटोर रहे हैं। हाल ही में कास्ट ने कुशा कपिला और कॉमेडियन रवि गुप्ता के साथ शो के बारे में कई बातें कीं। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड में एक्टर्स के बीच मौजूद इनसिक्योरिटी के बारे में खुलकर बात की।

अनिश्चितता में हैं बॉलीवुड के कलाकार

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड एक्टर्स में अनिश्चितता की भावना के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री में, एक्टर्स कभी एक-दूसरे की तारीफ नहीं करेंगे। वे कभी किसी के काम की तारीफ करने के लिए कॉल नहीं करेंगे, क्योंकि वे बहुत इनसिक्योर होते हैं। मैं अब भी लोगों को काम मांगने के लिए कॉल करता हूं। क्योंकि मैं पैदाइशी संघर्ष करने वाला इंसान हूं।

रो पड़े थे जयदीप

बातचीत में जयदीप अहलावत ने बताया कि मनोज बाजपेयी ने पाताल लोक सीजन 1 में उनके काम की तारीफ की तो वह रो पड़े थे। उन्होंने कहा जब पाताल लोक सीजन 1 रिलीज हुआ था, तो मनोज भाई ने मुझे रात में फोन किया और मुझसे 15-20 मिनट बात की। मैं इसे जिंदगी भर नहीं भूलूंगा। उसके बाद, मैं बहुत रोया। उस समय मनोज बाजपेयी ने जयदीप अहलावत से कहा एक इंस्टिट्यूशन खोलो, और मैं तुम्हारा छात्र बनूंगा।

मनोज और जयदीप साथ में कर चुके काम

द फैमिली मैन 3 से पहले, मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत ने 2012 में गैंग्स ऑफ वासेपुर और चटगांव में साथ काम किया था। द फैमिली मैन के नए सीजन में, मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का अपना रोल फिर से निभाया है, जबकि जयदीप अहलावत ने विलेन रुक्मा का रोल किया है।

द फैमिली मैन 3 की कास्ट

द फैमिली मैन 3 के निर्देशक राज एंड डीके हैं। शो में मनोज बाजपेयी, निमरत कौर, अश्लेषा ठाकुर, शारिब हाशमी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत अहम रोल में हैं। 21 नवंबर से यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।

धुरंधर' को लेकर भारत- पाक दोनों में हो रही चर्चा

बॉलीवुड फिल्म निर्माता आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' को लेकर भारत के साथ-साथ पाकिस्तान में भी काफी चर्चा हो रही है। इसकी वजह है संजय दत्त द्वारा निभाया गया कराची के दिवंगत एसपी चौधरी असलम का किरदार। फिल्म रिलीज से पहले चौधरी असलम की पत्नी नौरीन ने एक पॉडकास्ट में इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने इस किरदार को लेकर अपनी उम्मीदें और नाराजगी दोनों जाहिर की थीं। नौरीन ने बताया कि वह और उनके पति दोनों संजय दत्त के बड़े प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी असलम 90 के दशक की मशहूर फिल्म 'खलनायक' देखने के बाद संजय दत्त के फैन बन गए थे, जबकि नौरीन पहले से ही उनकी एक्टिंग को पसंद करती थीं। उन्हें भरोसा था कि संजय दत्त उनके पति की पर्सनैलिटी के साथ न्याय करेंगे। लेकिन ट्रेलर देखने के बाद उनकी भावनाएं आहत हुईं, जहां चौधरी असलम को 卐जिन्न卐 कहकर संबोधित किया गया है। नौरीन के अनुसार यह शब्द बेहद आपत्तिजनक और असम्मानजनक है।
नौरीन ने कहा 卐शैतान से पैदा होने वाले बच्चों को जिन्न कहा जाता है। हम मुस्लिम हैं और ऐसे शब्द हमारे लिए अशोभनीय हैं। यह सिर्फ असलम के लिए ही नहीं बल्कि उनकी मां के लिए भी अपमान है। अगर फिल्म में मेरे पति को गलत तरीके से दिखाया गया है या उनके खिलाफ प्रोपागैंडा किया गया है, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।卐 उन्होंने भारतीय फिल्ममेकर्स पर आरोप लगाया कि वे अक्सर पाकिस्तान की खराब छवि दिखाने की कोशिश करते हैं और इसे 卐बड़ी अजीब बात卐 बताया। इंटरव्यू में नौरीन ने यह भी बताया कि चौधरी असलम उनके मामू के बेटे थे और शुरुआत में वह शादी के लिए तैयार नहीं थीं, लेकिन बाद में उनसे गहरा प्यार हो गया। उन्होंने कहा— 卐अगर जिंदगी दोबारा मिले, तो खुदा से फिर वही मर्द मांगूंगी चौधरी असलम।卐 उन्होंने यह भी बताया कि असलम हमेशा कहा करते थे कि उन पर फिल्में बनेंगी।
नौरीन का मानना है कि संजय दत्त ने अपना काम एक अभिनेता के रूप में किया है और अगर गलती है तो यह कहानी लिखने वालों की है। उन्होंने कहा कि वह इंटरनेशनल लेवल पर भी कानूनी कार्रवाई करने का हक रखती हैं क्योंकि यह फिल्म दुनिया भर में दिखाई जाती है और इससे आने वाली पीढ़ियों को गलत संदेश जा सकता है। 1963 में जन्मे चौधरी असलम ने सिंध पुलिस में एएसआई के तौर पर नौकरी शुरू की। 2000 में उन्हें ल्यारी टास्क फोर्स का प्रमुख बनाया गया। उन्होंने कई कुख्यात गैंग्स का सफाया किया। 2011 में तालिबान ने उन पर हमला किया, जिसमें वह बच गए, लेकिन 2014 में टीटीपी के एक बड़े बम धमाके में उनकी मौत हो गई। बता दें कि यह फिल्म आजकल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।